वार्षिक प्रतिवेदन
2017-18

USACS

प्रसारित

USACS NACO

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष : 0135-2608885 Email: uksacs1@gmail.com Website : www.usacs.org.in

उत्तराखण्ड सरकार

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

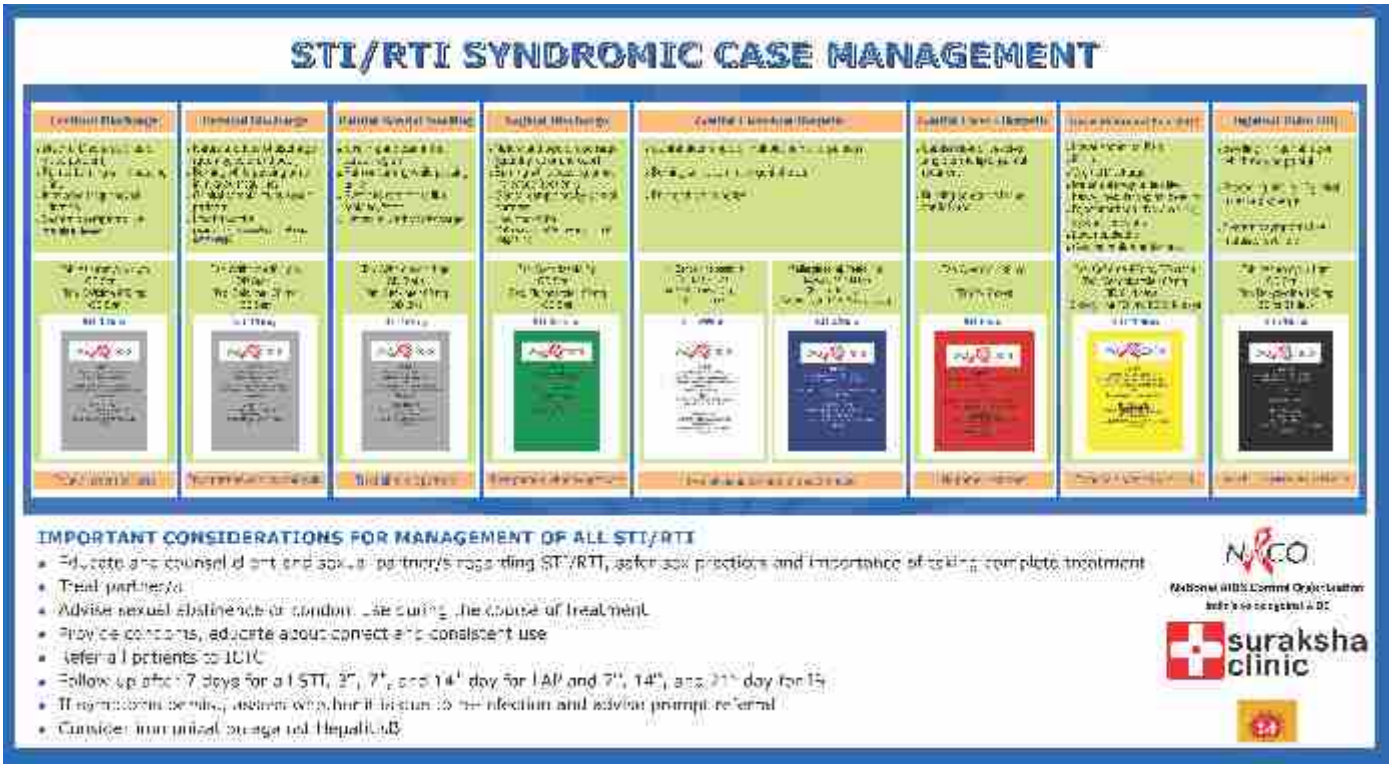

करें वही जो बच्चे
के लिए है सही
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

एच.आई.वी. संक्रमण है तो
घबराएं नहीं, अपनाएं नियमित जीवन,
उपचार और देखभाल
स्वच्छता का विशेष
ध्यान रखें।
स्वच्छ एवं पौष्टिक आहार
का नियमित सेवन करें।
नियमित योग एवं
व्यायाम करें।
नशीले पदार्थों का
सेवन न करें।
जीवन के प्रति
सकारात्मक सोच अपनाएं।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

कैसी घबराहट, कैसा शरमाना
यौन रोग का पूरा इलाज कराना
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

जल्द से जल्द करवायें
एच.आई.वी. की जाँच
ताकि बच्चे पर ना आये आँच
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

STI/RTI SYNDROMIC CASE MANAGEMENT
IMPORTANT CONSIDERATIONS FOR MANAGEMENT OF ALL STI/RTI
NACO
suraksha clinic

वार्षिक प्रतिवेदन 2017-18

Annual Report 2017-18

प्रसारित

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष : 0135-2608885 Email: uksacs1@gmail.com Website : www.usacs.org.in

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

विषय सूची

1	राज्य की रूपरेखा एवं कार्यक्रम	05
2	एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.)	07
3	देखभाल, सहयोग एवं उपचार	09
4	लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना	11
5	रक्त संचरण सेवा कार्यक्रम	13
6	यौन जनित संक्रमण/प्रजनन तंत्र संक्रमण (एस.टी.आई./आर.टी.आई.)	15
7	सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई.ई.सी.)	16
8	मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम	19
9	रेड रिबन क्लब (एच.आई.वी./एड्स नियन्त्रण की नई विचारधारा)	20
10	कार्यनीति सूचना प्रबंधन यूनिट	21
11	समाचार पत्रों की सुर्खियाँ	23
12	आई.ई.सी. सामग्री	25
13	यूसैक्स मे तैनात समस्त कार्मिको की सूची	27
14	लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना में कार्यरत एन.जी.ओ. की सूची	28
15	रक्तकोषों की सूची	31
16	सुरक्षा क्लीनिकों की सूची	32
17	एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्रों की सूची	33
18	ए.आर.टी. केन्द्रों एवं लिंक ए.आर.टी केन्द्रों की सूची	36
19	ओ.एस.टी. केन्द्रों एवं ई.आई.डी. केन्द्रों की सूची	37
20	संक्षिप्तीकरण	38

राज्य की रूपरेखा एवं कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन–नाको, भारत सरकार एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु प्रयासरत है। एच.आई.वी. विषय को मुख्यधारा में लाने के लिए बहुक्षेत्रीय/बहुविभागीय स्वामित्व एवं सहयोग को एक महत्वपूर्ण अंग माना गया है।

एच.आई.वी./एड्स विषय पर जागरूकता एवं सरकार द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों, एच.आई.वी. जांच, उपचार, दवा, सामाजिक भहिष्कार, कंलक एवं भेदभाव को दूर करना, इत्यादि विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन कर जन–जन तक सुविधाओं का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। इसकी महत्वता को दृष्टिगत करते हुए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में मुख्यधारा को एक महत्वकांक्षी घटक के रूप में सम्मिलित किया गया है।

प्रदेश में एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य एवं प0क0 मंत्रालय–नाको, भारत सरकार के निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा गठित ''उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति'' द्वारा ''सोसाइटी मोड (परियोजना प्रणाली)'' के अन्तर्गत किया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश में एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण करना है। इसके अन्तर्गत यौन जनित रोगों का उपचार एवं सम्पूर्ण उत्तराखण्ड में सुरक्षित एवं उच्च गुणवत्तायुक्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित कराना, आर0टी0आई0, एस0टी0आई0 व एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु कण्डोम उपलब्ध कराना, एच.आई.वी./एड्स के प्रति आम जनमानस में जागरुकता बढ़ाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करना तथा एच0आई0वी0/एड्स से संक्रमित/पीड़ित व्यक्तियों को चिकित्सा उपचार आदि की सुविधा उपलब्ध कराना है। वर्तमान में उत्तराखण्ड में Estimated Adult HIV Prevalence (15–49 Year) संक्रमण दर 0-11 (Source- Technical Report-2015, NACO) प्रतिशत (नाको) है।

कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य :–

- एच0आई0वी0/एड्स के प्रतिशत–प्रतिशत जागरूकता स्तर प्राप्त करना।
- एच0आई0वी0 संक्रमण दर को स्थिर एवं ऋणात्मक दिशा प्रदान करना।
- हाई रिस्क ग्रुप्स (CSW, MSM,IDU, Truckers, Migrants Prisoner etc.) में जागरूकता।
- ब्लड ट्रान्स्फ्यूजन द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण दर को 0.1 प्रतिशत से कम करना।

एच.आई.वी./एड्स संक्रमित व्यक्तियों के लिए चिकित्सा–उपचार की व्यवस्था करना। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण विभाग (नाको), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, महानिदेशालय, चिकि0 स्वा0 एवं परिवार कल्याण, देहरादून द्वारा प्रदेश में संचालित कार्यक्रम का सरचनात्मक विवरण :–

Sr. No.	Name of Facilities	No. of Facilities
1	Blood Banks	35
2	ICTC (Integrated Counseling & Testing Center)	49
3	Facility - ICTC	112
4	ICTC – PPP	02
5	Mobile- ICTC	01
6	Designated STI/RTI Clinic	29
7	ART Center (Including One ART Plus)	02
8	Facility Integrated ART Center	01
9	Link ART Center (Including LAC Plus)	16
10	Care Support Center	02
11	Targeted Intervention Project	29
12	Opioid Substitution Therapy Center (OST)	05

Status of Uttarakhand on HIV

Name Indicator (source MTA 2015, NACO)	India 2015	Uttarakhand 2017
Estimated No of HIV Infections	21,16,581	8021
Estimated Number of Annaul New HIV Infection	75,948	731
Estimated Adult Prevalence(%)	0.26	0.11
Estimated No. of Annual AIDS- Related deaths (Total)	67,612	213
Estimated No. of Pregnant Women Needing PPTCT	35,255	106
Need for ART (Total)	13,44,898	3575

Source: - India HIV Estimations - NACO (Technical Report)

Epidemic of HIV in Uttarakhand

Name Indicator	India	Uttarakhand
HIV Prevalence (%) at ANC sites	0.28	0.13
HIV Prevalence at FSW	1.56	0.00
HIV Prevalence at MSM	2.69	2.85
HIV Prevalence at IDU	6.26	8.98
Syphilis Prevalence (%) at ANC	0.10	0.00

HIV Prevalence (%) among ANC clients, India & Uttarakhand

Prevalence among different Population 2017

एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.)

आई.सी.टी.सी एवं पी.पी.टी.सी.टी. केन्द्र में परामर्श एवं परीक्षण की निःशुल्क सुविधा प्रदान की जाती है जहां पर स्वयं एवं डॉक्टर की सलाह से जनसामान्य अपनी एच.आई.वी जांच एवं परामर्श की निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाते है।

एच.आईवी./एड्स संक्रमण का पता, केवल रक्त की जांच करवाने से ही हो सकता है। परामर्श (काउन्सलिंग) सहायक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से एच.आई.वी./एड्स के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण एवं उद्देश्यपरक जानकारी प्रदान की जाती है तथा परामर्श द्वारा संक्रमित व्यक्ति को जीवन निर्वाह के लिए सकारात्मक प्रवृत्ति अपनाने एवं नेगेटिव लोगो को भविष्य में एच.आई.वी./एड्स से बचने के उपाय के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की जाती है। उत्तराखण्ड राज्य में एच.आई.वी परीक्षण की सुविधा सर्वप्रथम सन् 2002 में दो केन्द्रों में शुरू की गयी तथा अभी तक राज्य में 49 स्टैन्डअलोन एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई0सी0टी0सी0), 114 फेसिलिट आई0सी0टी0सी0 एवं 01 मोबाईल आई0सी0टी0सी0 तथा 02 पी0पी0पी0 मोड आई0सी0टी0सी0 स्थापित किये जा चुके हैं। सभी केन्द्रों में एक परामर्शदाता एवं एक लैब टेक्नीशियन की व्यवस्था की गयी है, जो कि जनसाधारण को एच.आई.वी/एड्स की जानकारी एवं बचाव के उपायों से सम्बन्धित जानकारी के साथ–साथ एच.आई.वी. जांच की सुविधा प्रदान करते है।

आई.सी.टी.सी. कार्यक्रम की सफलता हेतु आई.सी.टी. सी. केन्द्रो को राज्य में चल रहे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम जैसे आर.एन.टी.सी.पी. (Revised National Tuberculosis Control Programme), टी.आई.(Targetted Intervention) एवं एस.टी. डी. (Sexual Transmitted Disease) क्लीनिक से जोड़ा गया है। प्रायः देखा गया है कि एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति अवसरवादी संक्रमण का शिकार हो जाता है, जिस में टी.बी प्रमुख अवसरवादी संक्रमण है, जिस हेतु आर.एन.टी.सी.पी द्वारा समस्त टी.बी मरीजों को एच.आई.वी जांच हेतु आई.सी.टी.सी केन्द्रों को संदर्भित किया जाता है एवं आई.सी.टी.सी. केन्द्रों द्वारा टी.बी के लक्षण पाये जाने वाले समस्त लोगों को टी.बी केन्द्रों में टी.बी की जाँच हेतु संदर्भित किया जाता है।

राज्य में चल रहे टी.आई. प्रोजेक्ट के अन्तर्गत 29 गैर सरकारी संगठन उच्च जोखीम व्यवहार वाले लोगों के साथ काम कर रहें है, जिन लोगों की साल में दो बार एच.आई.वी. जांच जरूरी हैं एवं उनके व्यवहार परिवर्तन की भी अत्यन्त आवश्यकता होती है जो कार्य आई.सी.टी.सी. केन्द्रों द्वारा बाखुबी निभाया जा रहा है।

एस.टी.आई./आर.टी.आई. संक्रमित व्यक्ति को एच. आई.वी. संक्रमण होने एवं दूसरो को संक्रमित करने का खतरा 10 प्रतिशत तक ज्यादा रहता है जिस हेतु राज्य में 27 एस.टी. आई./आर.टी.आई. क्लीनिको एवं एक एस.आर.सी. की स्थापना की गयी है। जिसमें आने वाले लोगों को आई.सी.टी. सी. में संदर्भित किया जाता है एवं आई.सी.टी.सी. में आने वाले लोगों को एस.टी.आई. के लक्षण पाये जाने की स्थिति में एस. टी.आई. में संदर्भित किया जाता है।

साथ ही संक्रमित पाये गये व्यक्तियों को सी.डी.– 4 जांच एवं इलाज के लिए ए.आर.टी. केन्द्रों में सन्दर्भित किया जाता है तथा समय–समय पर उनके साथ समन्यवय स्थापित किया जाता है।

आई.सी.टी.सी.

- आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 1,11,649 सामान्य लोगों की एच.आई.वी. की जांच की गयी, जिसमें कुल 907 लोग एच.आई.वी. धनात्मक पाये गये जिनको ए0आर0टी0 केन्द्रों को संदर्भित किया गया।
- आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 1,04,646 गर्भवती माताओं की एच.आई.वी. जांच की गयी, जिसमें कुल 60 गर्भवती माताऐं एच.आई.वी. धनात्मक पायी गयी जिनको ए0आर0टी0 केन्द्रों को संदर्भित किया गया।
- टी.बी. क्लीनिको से आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में एवं आई.सी.टी. सी. केन्द्रों से टी.बी. क्लीनिको में लोगों संदर्भित किया जाता है।
- अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 14,890 उच्च जोखिम व्यवहार वाले लोगों की जांच की गयी, जिसमें 45 व्यक्ति एच.आई.वी. धनात्मक पाये गये।
- अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 16,574 ब्रिज पोपुलेशन वाले लोगों की जांच की गयी, जिसमें 22 व्यक्ति एच.आई.वी. धनात्मक पाये गये।
- अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक कुल 1,872 जेल निरूद्ध बंदियों की जांच की गयी, जिसमें 30 व्यक्ति एच.आई.वी. धनात्मक पाये गये।

- एस.टी.आई. से आई.सी.टी.सी. में लोगों को एच.आई.वी. की जांच हेतु संदर्भित किया गया।

आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन

- राज्य में एच0आई0वी0/एड्स की जानकारी एवं परीक्षण हेतु एक आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन का संचालन किया जा रहा है।

प्रदेश में स्थापित आई.सी.टी.सी. केन्द्रों में एच.आई.वी. परीक्षण उपरान्त पाये गये एच.आई.वी. पॉजिटिव व्यक्तियों का 5 वित्तीय वर्ष में एच.आई.वी. परामर्श, जांच एवं संक्रमित पाये गये व्यक्तियों की स्थिति निम्नानुसार है :–

General Client									Pregnant Women	
Financial Year	Number of clients tested for HIV			Total	Number of clients diagnosed HIV positive			Total	HIV Testing	Found HIV Positive
	Male	Female	TS/TG		Male	Female	TS/TG			
2013-14	48928	37637	6	86571	545	268	4	**817**	68543	**48**
2014-15	47088	45355	1	92444	530	276	1	**807**	87268	**51**
2015-16	49724	42439	2	92165	522	249	2	**773**	87427	**49**
2016-17	51473	42908	3	94384	541	234	1	**776**	89521	**52**
2017-18	59206	50364	6	109576	601	296	1	**898**	95047	**60**

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केन्द्र (आई.सी.टी.सी.) में एच.आई.वी. पॉजिटिव व्यक्तियों का जनपदवार विवरण :–

S. No.	District / F.Y.	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18
1	Almora	32	9	27	18	22
2	Bageshwar	4	12	9	9	6
3	Chamoli	15	16	3	7	6
4	Champawat	13	14	10	15	8
5	Dehradun	374	358	384	369	422
6	Pauri Garhwal	37	49	39	19	36
7	Haridwar	87	93	85	142	174
8	Nainital	161	160	110	121	147
9	Pithoragarh	18	36	44	25	31
10	Rudraprayag	16	9	20	11	11
11	Tehri Garhwal	8	15	5	13	11
12	US Nagar	93	78	80	74	75
13	Uttarkashi	7	9	6	5	9
	Total	**865**	**858**	**822**	**828**	**958**

देखभाल, सहयोग एवं उपचार (Care Support & Treatment)

एच.आई.वी./एड्स सक्रमण के साथ जी रहे लोगो के लिए देखभाल, सहायता और उपचार सुविधा।

यह कार्यक्रम अवसरवादी संक्रमणों की रोकथाम और उपचार, एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी, मानसिक और सामाजिक सहायता, घर–आधारित देखभाल और संक्रमण के प्रभाव को कम करने के लिए पी.एल.एच.ए. को व्यापक प्रबंधन उपलब्ध करवाता है।

एच.आई.वी. एड्स के प्रसार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से भारत सरकार राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम (NACP) को 100 प्रतिशत केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में कार्यान्वित कर रही है। एंटी रेट्रोवायरल उपचार (ART) की व्यापक पंहुच के परिणामस्वरूप एड्स संबंधित कारकों के कारण मरने वाले लोगों की अनुमानित संख्या में गिरावट आई है।

एंटी रेट्रो वायरल थैरपी केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्देश्य एच.आई.वी. सक्रमित व्यक्तियों को एंटी रेट्रो वायरल (ए.आर.टी.) उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना है। उक्त केन्द्र में एच.आई.वी./एड्स पीड़ितों को एंटी रेट्रो वायरल दवाएं निःशुल्क प्रदान की जाती है। एच.आई.वी. के विषाणु संक्रमित व्यक्ति के रक्त में वृद्धि करते हैं। विषाणु रक्त में सीडी–4 कोशिकाओं (रोग प्रतिरोधक प्रणाली) को नष्ट करते है। एंटी रेट्रो वायरल दवाएं लेने से रोगी की आयु तो बढ़ जाती है, लेकिन उसे रोग मुक्त नहीं किया जा सकता।

एच.आई.वी. पॉजिटिव व्यक्तियों को निःशुल्क ए.आर.टी. की दवा एवं अन्य सुविधायें प्रदान करने के लिए उत्तराखण्ड में स्थापित केन्द्र

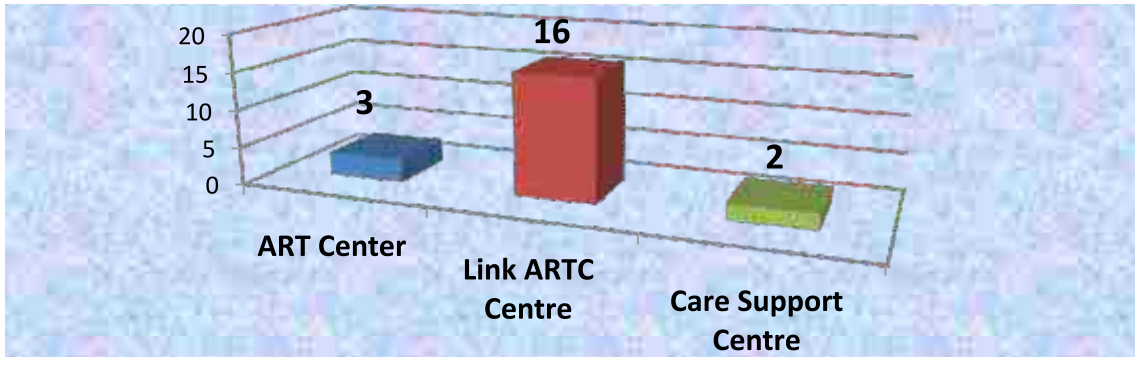

प्रदेश में तीन ए.आर.टी. (एंटी रेट्रोवायरल थैरपी) दून राजकीय मेडिकल एवं चिकित्सालय, देहरादून, डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, हल्द्वानी (नैनीताल) एवं जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ केन्द्र स्थापित है। उक्त ए.आर.टी. केन्द्रों में मार्च 2018 (**Cummulative**) तक पंजीकृत एवं दवा प्राप्त व्यक्तियों की संख्या निम्नानुसार है :–

केन्द्र (Center)	वर्ष	प्री ए.आर.टी. पंजीकरण (Registration)	ए.आर.टी. दवा प्राप्त एड्स रोगियों की संख्या (Patients currently on ART)
ART Center, Doon Medical College & Hospital, Dehradun	Aug. 2006 to March, 2018	**3856**	**2103**
ART Center, Dr. Sushila Tiwari Govt. Medical College, Haldwani (Nainital)	April 2010 to March, 2018	**2202**	**1284**
FI-ART Center, District Hospital, Pithoragarh	Jan 2016 to March, 2018	**267**	**188**

वित्तीय वर्ष 2017–18 में (माह मार्च 2018 तक) ए.आर.टी. केन्द्रों कुल 755 नये पंजिकरण किये गये, जिसका केन्द्रवार विवरण निम्नानुसार है :–

Number of new PLHIV Registered in HIV care during this Financial Year 2017 -18						
Name of the ART Centre	Adult			Children		Total
	Male	Female	TS/TG	Male	Female	
ARTC, Doon Hospital Dehradun	278	170	2	20	11	**481**
ARTC, Dr. Sushila Tiwari Govt. Hospital, Haldwani (Nainital)	133	95	1	8	6	**243**
FI-ART, District Hospital, Pithoragarh	15	14	0	1	1	**31**
Grand Total	**426**	**279**	**3**	**29**	**18**	**755**

वित्तीय वर्ष 2017–18 में (माह मार्च,2018 तक) ए.आर.टी. केन्द्रों कुल 875 नये रोगियों की दवा आरम्भ की गयी, जिसका केन्द्रवार विवरण निम्नानुसार है :–

New HIV Positive people started ART drugs during the Financial Year 2017-18						
Name of the ART Centre	Adult			Children		Total
	Male	Female	TS/TG	Male	Female	
ARTC, Doon Hospital Dehradun.	274	211	3	27	21	**536**
ARTC, Dr. Sushila Tiwari Govt. Hospital, Haldwani (Nainital)	146	112	1	24	12	**295**
FI - ART, District Hospital, Pithoragarh.	19	18	0	6	1	**44**
Grand Total	**439**	**341**	**4**	**57**	**34**	**875**

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना
(Targetted Intervention Programme)

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत 29 गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से उच्च जोखिम समूहों के मध्य कार्य किया जा रहा है जहां संक्रमण की अधिक संवेदनशीलता है। उच्च जोखिम समूहों को कोर ग्रुप एवं ब्रिज पोपुलेशन में विभाजित किया गया है। कोर ग्रुप के अन्तर्गत महिला यौनकर्मी, इन्जेक्टिंग ड्रग यूजर्स एवं समलिंगी (एम0एस0एम0) एवं ब्रिज पापुलेशन के अन्तर्गत ट्रक ड्राईवर एवं माइग्रेंट्स के मध्य कार्यक्रम क्रियान्वित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2017–18 में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक राज्य में उच्च जोखिम समूहों की अनुमानित संख्या 1,49,980 के सापेक्ष 2,38,494 लाभार्थियों को लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत सेवायें प्रदान की गई।

Typology	Target	No. of Registered Population
FSW	5550	5896
MSM	1770	1896
TG	160	108
IDU	1950	1840
Migrants	90000	178194
TRUCKERS	40000	136794
Transit	10000	20335
OST	500	1071
Total	**149930**	**346134**

Fig : Coverage of HRGs in the Year 2017-18(April 2017 - March 2018)

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु वर्ष 2017–18 में अप्रैल 2017 से मार्च 2018 तक 29,048 लाभार्थियों की एच0आई0वी0 की जांच की गयी जिसमें से कुल 42 एच0आई0वी0 पॉजिटिव पाये गये जिसमें से 24 को ए0आर0टी0 में सन्दर्भित कर उचित सेवायें प्रदान की गयी। लाभार्थियों की एच0आई0वी0 जांच हेतु एन0आर0एच0एम0 के अन्तर्गत उपलब्ध सेवाओं से भी समन्वय स्थापित कर सेवायें प्रदान की गयी। राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा स्थापित आई0सी0टी0सी0 केन्द्रों के अतिरिक्त फैसिलिटी आई0सी0टी0सी, मोबाईल आई0सी0टी0सी0, मोबाईल मेडिकल वैन, कम्युनिटी केयर सैन्टर एवं अरबन हैल्थ सैन्टर में एच0आई0वी0 की जांच की गयी एवं एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की जांच की गयी।

Typology	April 2017 - March 2018	
	HIV Target	HIV Tested
FSW	11100	9053
MSM+TG	3860	3123
IDU	3900	2714
Migrants	27000	12133
Truckers	6000	4441
Total	**51860**	**31464**

Fig : Status of HIV testing Year 2017-18 (April 2017 - March 2018)

संस्थाओं का मूल्यांकन : वर्ष 2017–18 में लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के अन्तर्गत 2 वर्ष से अधिक समय से कार्यरत 21 गैर सरकारी संस्थाओं का मूल्यांकन किया गया।

एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 : यौन रोग एच0आई0वी0/एड्स के संक्रमण को बढ़ावा देती है एवं यौन रोगियों में एच0आई0वी0 संक्रमण लगभग 30 प्रतिशत अधिक होने की संभावना रहती है। वर्ष 2017–18 में माह अप्रैल 2017–मार्च 2018 तक 77,491 लाभार्थियों ने एस0टी0आई0 सेवाओं हेतु उपस्थिति दर्ज की एवं एस0टी0आई0 ग्रसित व्यक्तियों का उपचार किया गया।

कण्डोम प्रमोशन : एच0आई0वी0/एड्स कार्यक्रम में कण्डोम प्रमोशन भी एक महत्वपूर्ण मद है। एच0आर0जी0 के मध्य मुफ्त कण्डोम वितरण के अतिरिक्त सोशल मार्केटिंग के माध्यम से भी कण्डोम की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु संस्थाओं द्वारा सराहनीय प्रयास किया गया। वर्ष 2017–18 में माह अप्रैल 2017–मार्च 2018 तक मांग के सापेक्ष शत प्रतिशत कण्डोम वितरण किया गया एवं सोशल मार्केटिंग के माध्यम से भी कण्डोम उपलब्ध कराया गया। कण्डोम प्रमोशन के प्रयासों के फलस्वरूप राज्य में एच0आई0वी0/एड्स को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफलता प्राप्त हुई एवं यौन रोगियों की संख्या में अप्रत्याशित कमी पायी गई।

कण्डोम प्रमोशन हेतु टैक्नीकल सपोर्ट ग्रुप(नाको भारत सरकार) का महत्वपूर्ण भूमिका रही एवं टैक्नीकल सपोर्ट ग्रुप द्वारा उचित सहयोग प्राप्त हुआ।

एम्प्लायर लेड माडल (Employer Led Model)–

एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु राज्य में स्थापित विभिन्न उद्योगों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये जाने हेतु प्रयास किये गये। एम्प्लायर लेड माडलके अन्तर्गत कुल 17 कम्पनियों के साथ मेमोरेन्डम आफ अन्डरस्टेंडिंग पर हस्ताक्षर किया जा चुका है।

ओ0एस0टी0 सेन्टर –वर्ष 2017–18 में नाको द्वारा प्राप्त अनुमोदन के क्रम में सुई से नशा करने वालों (IDUs) में एच0आई0वी0 का संक्रमण के जोखिम को कम करने एवं एच0आई0वी0 की रोकथाम हेतु जनपद नैनीताल(बनभूलपुरा), जनपद देहरादून(प्रेमनगर), जनपद उधमसिंह नगर(रूद्रपुर एवं काशीपुर) एवं जनपद हरिद्वार में पांच ओ0एस0टी0 केन्द्रों के माध्यम से 500 आई0डी0यू0 को उचित दवाओं के माध्यम से सेवायें दी गयीं। इस कार्यक्रम के फलःस्वरूप आई0डी0यू0 सुई से नशा करने के स्थान पर चिकित्सक द्वारा दी गयी दवाओं का सेवन कर अपना जीविकोपार्जन करते हैं एवं इससे सुई द्वारा एच0आई0वी0 के संक्रमण की रोकथाम भी संभव हो पा रही है।

क्षमता विकास –लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना (टी0आई0) के अन्तर्गत कार्य कर रही संस्थाओं में कार्यरत कार्मिकों (परियोजना प्रबन्धक, परामर्शदाता, लेखाकार) की क्षमता विकास हेतु नाको, भारत सरकार द्वारा स्थापित एजेंसी प्रोजेक्ट दिवा, FHI 360 द्वारा एम0एस0एम0, एफ0एस0डबल्यू0 एवं माइग्रेंट लक्ष्य पर कार्य कर रही संस्थाओं के कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। समस्त प्रशिक्षण कार्यक्रम नाको–भारत सरकार द्वारा तैयार किये गये ट्रेनिंग माड्यूल के अनुरूप किये गये।

रक्त संचरण सेवा कार्यक्रम (Blood Safety)

रक्त संचरण सेवायें राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है। असुरक्षित रक्त एवं रक्त उत्पादों के कारण एच0आई0वी0 संक्रमण की संभावना 100 प्रतिशत बनी रहती है, इसलिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि सुरक्षित रक्त की उपलब्धता प्रचुर मात्रा में बनी रहे, जिसके लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम में रक्त सुरक्षा कार्यक्रम को एक खास वरीयता दी गयी है।

राज्य में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण रक्त की उपलब्धता हेतु स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिस हेतु राज्य के समस्त जिलों में समय–समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ये शिविर लाईसेन्सयुक्त रक्तकोषों के माध्यम से लगाये जाते हैं। प्रदेश में स्थापित रक्तकोष निम्नानुार हैः–

कुल रक्तकोष – 35

राज्य सरकार पोषित – 20

केन्द्र सरकार पोषित – 04

प्राईवेट / चैरिटेबल – 11

वित्तीय वर्ष 2017–18 (अप्रैल–मार्च) में प्रस्तावित लक्ष्य के क्रम में प्राप्त लक्ष्य निम्न प्रकार हैः–

क्र0 सं0	विवरण	भारत सरकार द्वारा दिया गया लक्ष्य	प्राप्त लक्ष्य
1.	कुल एकत्रित रक्त युनिटों की संख्या	105000	124575
2.	कुल स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त	90000	102732
3.	स्वैच्छिक रक्तदान का प्रतिशत	90%	82%
4.	कुल एकत्रित रक्त युनिटों की संख्या (नाको सहायतित रक्तकोषों में)	82000	102729
5.	स्वैच्छिक रक्तदान से प्राप्त रक्त यूनिट (नाको सहायतित रक्तकोषों में)	74000	89394
6.	कुल रक्त दान शिविर	800	750

वित्तीय वर्ष 2017–18 में रक्त सुरक्षा अनुभाग द्वारा विभिन्न विशेष दिवसों का राज्य एवं जनपद स्तर पर सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं को एवं स्वैच्छिक रक्तदान कार्यक्रम में सहयोग करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया, जिसका विवरण निम्नानुसार हैः–

क्र0 सं0	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम में एकत्रित रक्त यूनिट
1.	विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) अभियान	8,592
2.	राष्ट्रीय रक्तदान दिवस	12,672

वित्तीय वर्ष 2017–18 (अप्रैल–मार्च) में रक्त सुरक्षा अनुभाग एवं राज्य रक्त संचरण परिषद्, उत्तराखण्ड द्वारा किये गये कार्यों का विवरण

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस :–

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर होटल शुभम, देहरादून में किया गया।

ब्लड मोबाईल बसः–

नाको–भारत सरकार द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के माडल ब्लड बैंक दून चिकित्सालय, देहरादून हेतु एक ब्लड मोबाईल बस प्रदान की गयी है। वित्तीय वर्ष 2017–18 में ब्लड मोबाईल बस के माध्यम से विभिन्न स्थानों में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया।

- कुल रक्तदान शिविर – 17
- कुल एकत्रित रक्त यूनिट – 936

सुपरवाईजरी विजिटः–

रक्त सुरक्षा अनुभाग द्वारा काशीपुर, पिथौरागढ़, अल्मोड़ा, हल्द्वानी, हरिद्वार, रूड़की ऋषिकेश, रूद्रपुर, बागेश्वर, चम्पावत एवं नैनीताल में स्थापित राजकीय रक्तकोषों की सुपरवाईजरी विजिट की गयी।

रक्त की गुणवत्ता (Quality of Blood) एवं रक्त संचरण सेवाओं के सुदृढ़ीकरण करने के लिए निम्न बैठकों का आयोजन किया जाता हैः–

ब्लड कम्पोनेंट सेपरेशन यूनिट

वित्तीय वर्ष 2017–18 में जिला चिकित्सालय, हरिद्वार में ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट की स्थापना हो चुकी है, जिस हेतु एक चिकित्साधिकारी एवं एक लैब टैक्नीशियन की बी0सी0एस0यू0 से सम्बन्धित 06 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन एच0आई0एच0टी0 जौली ग्राण्ट में करवाया गया।

वित्तीय वर्ष 2017–18 में जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर, उधमसिंहनगर, एस0एस0जे0 बेस चिकित्सालय हल्द्वानी, सयुंक्त चिकित्सालय रूडकी में BCSU स्थापित किए जाने का लक्ष्य था, उपकरणों की खरीद NHM के सहयोग से की जा रहा है।

प्रशिक्षण

- नाको सहायतित रक्तकोषों में कार्यरत 18 लैब टैक्नीशियनों के 05 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन HIHT, Jolly Grant, Dehradun, में किया गया।
- 50 आई0सी0टी0सी0 लैबोरेट्री टैक्नीशियन की एक दिवसीय EQAS workshop दो बैचो में स्टेट रेफरेन्स लैबारेट्री, HIMS, जौली ग्राण्ट देहरादून में आयोजित की गयी।
- पांच नाको सहायतित रक्तकोष क्रमशः आई0एम0ए0 ब्लड बैंक देहरादून, जिला चिकित्सालय हरिद्वार, संयुक्त चिकित्सालय रूड़की, डॉ सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी एवं एस0एस0जे0 बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी के रक्तकोष अधिकारी एवं लैब टैक्नीशियन की आधे दिन की ऑरियनटेशन बैठक उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियत्रण समिति के सभागार में करवायी गयी।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वाराहाट और भिकियासैण में ब्लड स्टोरेज सेण्टर यूनिट को क्रियाशील किये जाने हेतु दो चिकित्साधिकारियों एवं दो लैब टैक्नीशियन को गोविन्द सिंह मेहरा नागरिक चिकित्सालय, रानीखेत में तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।
- पांच नाको सहायतित रक्तकोष क्रमशः आई0एम0ए0 ब्लड बैंक देहरादून, जिला चिकित्सालय हरिद्वार, संयुक्त चिकित्सालय रूड़की, डॉ सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी एवं एस0एस0जे0 बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी के प्रभारी रक्तकोष अधिकारियों की 05 दिवसीय प्रशिक्षण एच0आई0एच0टी0 जौली ग्राण्ट, देहरादून में करवायी गयी।

सुपरवाईजरी विजिटः–

रक्त संचरण सेवाएं अनुभाग द्वारा काशीपुर, अल्मोड़ा, हल्द्वानी, हरिद्वार, रूड़की, ऋषिकेश, रूद्रपुर, चमोली, बागेश्वर, चम्पावत एवं पिथौरागढ़ में स्थापित राजकीय रक्तकोषों की सुपरवाईजरी विजिट की गयी।

राज्य रक्त संचरण परिषद्, उत्तराखण्ड :–

सुरक्षित रक्त, स्वास्थ्य सेवा का एक अति महत्वपूर्ण अंग है, जिसके लिए उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति का रक्त संचरण सेवा अनुभाग एवं राज्य रक्त संचरण परिषद् संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2017–18 में स्वैच्छिक रक्तदान का कुल 82 प्रतिशत तथा नाको सहायतित रक्तकोषों में 87 प्रतिशत रहा तथा इसे शत प्रतिशत करने हेतु निरन्तर प्रयासरत हैं।

माँ वाराही मंदिर विशेष शिविर

दिनांक 5 अगस्त, 2017 को माँ वाराही मंदिर देवीधुरा में एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी एवं मंदिर समिति के सदस्यों के अनुसार देवीधुरा में माँ वाराही देवी मंदिर के प्रांगण में प्रतिवर्ष रक्षाबन्धन के अवसर पर श्रावणी पूर्णिमा को बग्वाल मेला लगता है। 'बग्वाल' एक तरह का पाषाण युद्ध है जिसमें एक दूसरों के ऊपर पत्थर बरसाते है जिसके परिणामस्वरूप लोग लहुलूहान हो जाते है व रक्त की अधिक बर्बादी होती है। जिसके क्रम में इस परम्परा को देखते हुए रक्तदान कार्यक्रम आरम्भ करने का निर्णय लिया गया। जिसमें स्थानीय युवाओ, एन0एस0एस0 विद्यार्थियों, पुलिस कर्मियों एवं जिला प्रशासन के लोगों आदि द्वारा बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया गया। शिविर में कुल 126 यूनिट्स एकत्रित किये गये।

यौन जनित संक्रमण/प्रजनन तंत्र संक्रमण (एस०टी०आई/आर०टी०आई०)

यौन जनित संक्रमण/प्रजनन तंत्र संक्रमण (एस0टी0आई0/ आर0टी0आई0) भारत में एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या है। विभिन्न सर्वेक्षणों में पाया गया है कि सामान्यतः वयस्क व्यक्तियों में 6 प्रतिशत लोग यौन जनित संक्रमण/प्रजनन तंत्र संक्रमण (एस.टी.आई./आर.टी.आई.) से प्रभावित होते हैं। देखा गया है कि सरकारी चिकित्सालयों में बहिरंग रोगी विभाग में लगभग 6 प्रतिशत पुरूष तथा 12 प्रतिशत महिलायें यौन सम्बन्धी रोगों के लक्षणों वाले होते हैं।

राष्ट्रीय एड्स नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत एस0टी0आई0/ आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार का प्राविधान, एच0आई0वी0 के संक्रमण के फैलाव को रोकने तथा लैंगिक एवं प्रजनन स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने की एक महत्वपूर्ण योजना है। एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार के अन्तर्गत लक्षणों के आधार पर उपचार प्रदान किया जाता है तथा प्रत्येक लक्षण हेतु नाको के गाईडलाइन के अनुसार ही औषधि प्रदान की जाती है।

एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की रोकथाम एवं उपचार हेतु सेवायें, जिला स्तर के चिकित्सालयों एवं कुछ चयनित अन्य चिकित्सालयों में नाको द्वारा राज्य एड्स नियन्त्रण समिति की ओर से प्रदान की जाती है, जिन्हें (Designated STI/RTI Clinic-DSRC) अथवा सुरक्षा क्लिनिक के नाम से जाना जाता है। नाको द्वारा प्रत्येक सुरक्षा क्लिनिक में एक परामर्शदाता की संविदा पर तैनाती की गयी है तथा निःशुल्क परामर्श, सिफलिस की जाँच एवं उपचार प्रदान की जाती है, साथ ही एच.आई.वी. एवं सिफिलिस की जांच हेतु आई0सी0टी0सी0 को सन्दर्भित किया जाता है। वर्तमान में राज्य में कुल 27 सुरक्षा क्लीनिक स्थापित है। उक्त सुरक्षा क्लीनिकों में उपचारित व्यक्तियों का वर्षवार विवरण निम्न प्रकार है :–

वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रदेश में स्थापित डी.एस.आर.सी. केन्द्रों में एस0टी0आई0/आर0टी0आई0 की जांच हुए व्यक्तियों का आयुवार विवरण :–

वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रदेश में स्थापित डी.एस.आर.सी. केन्द्रों एस.टी.आई. जांच हुए व्यक्तियों का विवरण :–

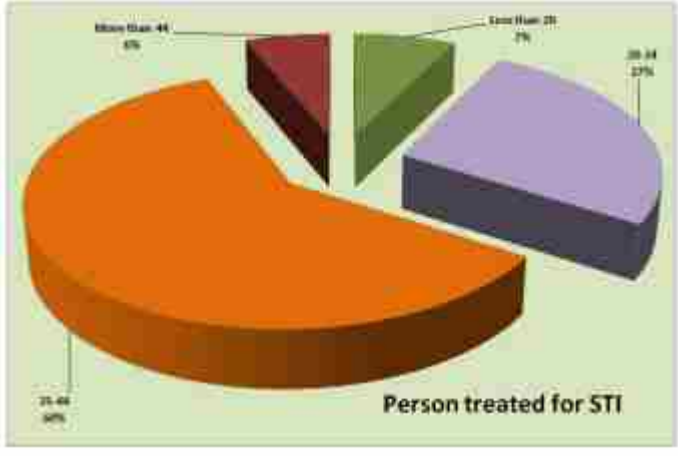

वित्तीय वर्ष 2017–18 में प्रदेश में स्थापित डी.एस.आर.सी. केन्द्रों में जांच उपरान्त चिन्हित रोगो का विवरण :–

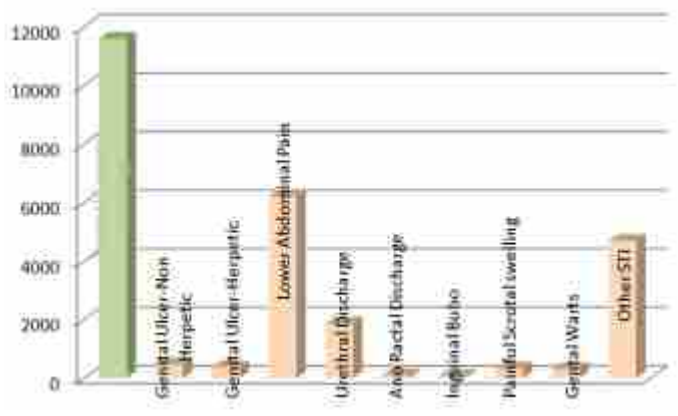

सूचना, शिक्षा एवं संचार (आई०ई०सी०)

एच0आई0वी0 कार्यक्रम में सूचना, शिक्षा एवं संचार की एक अभिन्न रणनीति रही है चाहे वह एच0आई0वी0 संक्रमण के प्रभावी बचाव, रोकथाम या जागरूकता हो। जिसका मुख्य उद्देश्य कलंक और भेदभाव को कम करना एवं यूसैक्स द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों के मध्य पहुँचाना है। वर्ष 2017–18 में लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसके अन्तर्गत प्रचार–प्रसार हेतु इलैक्ट्रोनिक मीडिया, प्रिन्ट मीडिया, आउटडोर मीडिया आदि के माध्यम से विभिन्न चैनल्स का प्रयोग किया गया।

आई0ई0सी0 एवं मेनस्ट्रिमिंग के अन्तर्गत वर्ष 2017–18 में 14 जून 2017 विश्व रक्तदाता दिवस, 01 अक्टूबर 2017 राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, 01 दिसम्बर 2017 विश्व एड्स दिवस, 12 जनवरी 2018 राष्ट्रीय युवा दिवस एवं 08 मार्च 2018 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा एच0आई0वी0/एड्स, एस0टी0आई0, स्टीगमा, डिस्क्रिमिनेशन एवं रक्तदान जैसे विषयों पर जानकारी दी गई। इन कार्यक्रमों में

विभिन्न रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, डिबेट, प्रदर्शनी आदि गतिविधियां भी आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त टी0वी0 वार्तायें ए0आई0आर0 कानपुर के माध्यम से आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी एवं अल्मोड़ा रेडियो स्टेशनों से रेडियों कार्यक्रमों व रेडियों जिंग्ल्स/स्पॉटस का प्रसारण किया गया। इसके अतिरिक्त बल्क एस.एम.एस., बस शैल्टर एवं फोक परफारमेंस आदि द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण बचाव एव रक्तदान जैसे विषयों पर संदेश प्रसारित किये गये।

मास मीडिया :

लॉग फारमेट टी0वी0 प्रोग्राम : उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा दूरदर्शन पर एच0आई0वी0/एड्स विषय पर सामान्य जानकारी, एच0आई0वी0 को मुख्यधारा में लाने के प्रयास, एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों की देखभाल व उपचार, रक्तसुरक्षा कार्यक्रम, रक्तदान प्रोत्साहन, यौन जनित संक्रमण, यूसैक्स द्वारा प्रदान की जा रही सेवायें, सामाजिक संगठनों की एच0आई0वी0/एड्स विषय पर समाज में लोगों को जागरूक करने में सहभागिता, टी0आई0 कार्यक्रम एवं एच0आई0वी0, आई0सी0टी0सी0 (परामर्श एवं जांच केन्द्र) आदि विषयों पर माह अक्टूबर 2017 से माह दिसम्बर 2017 में प्रति सप्ताह कुल 10 कार्यक्रम, प्रति कार्यक्रम 30 मिनट का प्रसारण किया गया।

<u>लॉग फारमेट रेडियो प्रोग्राम</u>: उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एच0आई0वी0/एड्स, यूथ अफैयर्स, ड्रग अब्यूज, आई0सी0टी0सी0, बेसिक सर्विसेस ऑफ यूसैक्स, स्वैच्छिक रक्तदान इत्यादि विषय पर बनाये गये कुल 35 लॉग फारमेट रेडियो प्रोग्राम के एपिसोडों का प्रसारण आकाशवाणी नजीबाबाद, पौड़ी, अल्मोड़ा से ए0आई0आर0 कानपुर के माध्यम से कुल 105 बार प्रसारित किये गये (35 लॉग फारमेट रेडियों प्रोग्राम प्रति रेडियो स्टेशन)। प्रत्येक रेडियों कार्यक्रम की अवधि 15 मिनट थी।

ऑडियों स्पॉट/रेडियो जिंग्लस :– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एच0आई0वी0/एड्स, इन्जेक्टेबल ड्रग यूजर्स एवं स्वैच्छिक रक्तदान विषय पर बनाये गये रेडियों जिंग्लस एंव ऑडियो स्पॉट का प्रसारण नजीबाबाद, पौड़ी, अल्मोड़ा से ए0आई0आर0 कानपुर के माध्यम से कुल 729 बार प्रसारित किये गये (243 रेडियों जिंग्लस एंव ऑडियो स्पॉट प्रति रेडियो स्टेशन)। प्रत्येक रेडियों जिंग्लस एवं ऑडियो स्पॉट की अवधि 30 सैकैण्ड थी।

आई0सी0टी0 :

बल्क एस0एम0एस0:– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा कुल 3 लाख एस0एम0एस0 01 दिसम्बर 2017 विश्व एड्स दिवस, 12 जनवरी 2018 राष्ट्रीय युवा दिवस एवं 08 मार्च 2018 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न उपभोगताओं के मोबाईल पर एच0आई0वी0/एड्स, एच0आई0वी0/एड्स के विरूद्ध युवा एवं पी.पी.टी.सी.टी. विषय पर बल्क एस0एम0एस0 बी.एस.एन.एल, देहरादून के माध्यम से विभिन्न उपभोक्ताओं के मोबाईल नम्बर पर प्रसारित किये गये।

वेब–साईट:– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा

वेब–साईट www.usacs.org.in संचालित की जाती है, जिसमें समय–समय पर यूसैक्स द्वारा प्रदान की जा रही सेवायें एवं जानकारी, टैण्डर प्रक्रिया, विज्ञापन, आई0ई0सी0 सामग्री, रिपोर्ट, फोटोग्राफस, फार्म इत्यादि निरंतर अपलोड किये जाते हैं।

आउटडोर मीडिया:

बस शैल्टर:– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम व रक्तदान से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने हेतु कुल 02 बस शैल्टर देहरादून के प्रमुख बस स्टैण्ड में 08 मार्च 2018 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक माह हेतु लगवाये गये।

मिड मीडिया:

सांस्कृतिक दलों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला:– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा सांस्कृतिक दलों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें 27 सांस्कृतिक दलों के टीम लीडरों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में टीम लीडरों को नाको, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित स्क्रिप्ट पर पुनः प्रशिक्षित किया गया एवं टीम लीडरों के ग्रुप बना कर स्क्रिप्ट अनुसार प्रस्तुतियां कराई गई।

सांस्कृतिक दलों द्वारा की गयी सांस्कृतिक प्रस्तुतिः– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा कुल 24 सांस्कृतिक दलों के माध्यम राज्य के 08 जनपदों (देहरादून, उधमसिंह नगर, नैनीताल, चमोली, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, अल्मोडा एवं उत्तरकाशी) में कुल 291 सांस्कृतिक प्रस्तुति करायी गयी थी एवं 14 सांस्कृतिक प्रस्तुति उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा मनाये जाने वाले प्रमुख दिवसों (01 अक्टूबर 2017 राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, 01 दिसम्बर 2017 विश्व एड्स दिवस एवं 08 मार्च 2018 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस) में करायी गयी थी।

इवेंटसः

राज्य एवं जनपद स्तरीय कार्यक्रमः– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा वर्ष 2017–18 में विभिन्न इवेंटस का आयोजन किया गया। 14 जून 2017 विश्व रक्तदाता दिवस, 01 अक्टूबर 2017 राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस, 01 दिसम्बर 2017 विश्व एड्स दिवस, 12 जनवरी 2018 राष्ट्रीय युवा दिवस एवं 08 मार्च 2018 अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा जनपद स्तर पर मनाये जाने वाले कार्यक्रम (01 अक्टूबर 2017 राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस एवं 01 दिसम्बर 2017 विश्व एड्स दिवस) के आयोजन हेतु सहायता धनराशि प्रदान की गयी, जिसके तहत जनपद स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम जिसमें मुख्यतः रैली, पोस्टर व डिबेट प्रतियोगिता, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संस्थाओं के छात्र–छात्राओं, सामाजिक संगठनों, सरकारी व गैर सरकारी विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

प्रदर्शनी (Exhibition):– उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के माध्यम से जनमानस को एच0आई0वी0/एड्स के प्रति जागरूकता कार्यक्रम हेतु एच0आई0वी0/एड्स एवं स्वैच्छिक रक्तदान विषय पर 02 प्रदर्शनी स्टॉल (गौचर मेला, जनपद चमोली एवं परेड़ ग्राउण्ड, देहरादून) लगाये गये।

मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम एव प्रचार–प्रसार हेतु मेनस्ट्रीमिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम की अहम भूमिका है। उक्त के अतिरिक्त एच0आई0वी0/एड्स पीड़ित व्यक्तियों के प्रति बढ़ते भेदभाव एवं कलंक के व्यवहार को रोकने हेतु नाको, भारत सरकार द्वारा एच0आई0वी0 को एकमात्र स्वास्थ्य समस्या न मानते हुए एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया गया है। अर्न्तविभागीय सहयोग से ही इस चुनौती का सामना किया जा सकता है एवं परस्पर सहयोग हेतु उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता रहा है।

रणनीति : मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियन्त्रण समिति के आई0ई0सी0 अनुभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2017–18 की अनुमोदित कार्ययोजना के अनुसार राज्य में विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये गये।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान कराये जाने हेतु राज्य स्तरीय एडवोकेसी एवं एच0आई0वी0/एड्स विषय पर संवेदीकरण कार्यशालायें एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम कराये जाने हेतु रूपरेखा तैयार की गयी एवं यह कार्यक्रम विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कराये गये। मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में एच0आई0वी0/एड्स विषय को मुख्यधारा में लाने के साथ ही इससे जुड़े कलंक एवं भेदभाव के व्यवहार को दूर करना, इससे जुड़ी भ्रान्तियों को दूर करना एवं एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाना है।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अन्तर्गत एच0आई0वी0/ एड्स से सम्बन्धित जानकारी, राज्य में एच0आई0वी0 संक्रमण की वर्तमान स्थिति, यूसैक्स द्वारा उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी एवं संयुक्त राष्ट्र द्वारा दिये गये स्लोगन **"शून्य की ओर"** शून्य हो नये एच0आई0वी0 संक्रमण, शून्य हो भेदभाव एंव शून्य हो एड्स से मृत्यु के उद्देश्य को पूरा करने का प्रयास किया गया।

<u>एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों की सामाजिक सुरक्षा</u>

एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि समाज में व्यापत भेदभाव एवं कलंक के व्यवहार के दूर होने से एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्ति सामान्य जीवन जी सकते हैं। वर्ष 2017–18 के दौरान इन कार्यक्रमों के द्वारा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को एच0आई0वी0/एड्स विषय पर जागरूक एवं एच0आई0वी0 पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ हो रहे व्यवहार में परिवर्तन लाने हेतु सम्पूर्ण प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रशिक्षणों के द्वारा एच0आई0वी0/एड्स से जुडे विभिन्न पहलुओं को मुख्य धारा में लाने हेतु प्रयास किये जा रहे हैं।

मुख्यधारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों में स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आशा कत्री, बाल एवं महिला विकास से जुड़ी आंगनबाड़ी कार्य कत्री, को प्रशिक्षण दिया गया। उक्त के अतिरिक्त पुलिस कर्मियों, परिवहन विभाग के प्रतिनिधियों, एन0जी0ओ0/सी0बी0ओ0 के प्रतिनिधियों आदि को भी इन कार्यशालाओं में सम्मिलित किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों (ASHA/AWW, SHG Workers, Police Official, District PLHIV's, CABA, Prison Administration, Transport dept., Rail, CABA, and MARP's, Community/Civil society organization) हेतु संवेदीकरण कार्यशालओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। उक्त के अतिरिक्त लाभार्थियों को कानूनी सलाह एवं सेवाओं हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से समन्वय करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त के अतिरिक्त उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में राज्य एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया।

रेड रिबन क्लब (एच०आई०वी०/एड्स नियन्त्रण की नई विचारधारा)

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा एक नवीन पहल के अन्तर्गत देश में एच0आई0वी0/एड्स की रोकथाम हेतु उच्च शिक्षण संस्थाओं में युवाओं को साथ लेकर रेड रिबन क्लबों का गठन किया गया है। यह इसलिए किया गया है कि एच0आई0वी0/एड्स के अधिकांश मामले युवाओं में विशेषकर 15–29 वर्ष के आयु वर्ग के बीच हैं। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि एच0आई0वी0/एड्स के कारण देश की रीढ़ कहे जाने वाले आयु समूह की स्थिति पर्याप्त रूप से विषम हो गई है। युवाओं को इस नये उभरते भारत को आगे ले जाना है। उन्हीं के कन्धों पर देश की अर्थव्यवथा, सामाजिक व्यवस्था और सुरक्षा की जिम्मेवारी है।

उत्तराखण्ड के परिपेक्ष में रेड रिबन क्लबों की भूमिका

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति रेड रिबन क्लबों के माध्यम से युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स के संक्रमण से बचाने हेतु कार्ययोजना के अनुरूप निरन्तर प्रगतिशील है। पूर्व में उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा रेड रिबन क्लब उच्च शिक्षण संस्थानों में शुरू किए जा चुके हैं। उक्त क्लबों का गठन एच0आई0वी0/एड्स के प्रति जागरूकता प्रचारित करने के उद्देश्य से किया गया था। एक नयी सोच के तहत प्रदेश के तकनीकी महाविद्यालयी स्तर पर भी रेड रिबन क्लब खोले गये थे। इन सभी रेड रिबन क्लबों का राष्ट्रीय सेवा योजना की सहायता से चिन्हीकरण किया गया। इस प्रकार प्रदेश में पूर्व में स्थापित रेड रिबन क्लब युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स से सुरक्षित रखने की अपनी प्रतिबद्वता निरन्तर सुनिश्चित कर रहे हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि रेड रिबन क्लब युवाओं को एच0आई0वी0/एड्स संक्रमण से बचाने का एक कारगर तरीका है। इसके माध्यम से युवा वर्ग निकटतम रूप से बिना किसी हिचकिचाहट के एच0आई0वी0/एड्स के विभिन्न पहलुओं पर पारस्परिक चर्चा कर सकेंगें। रेड रिबन क्लबों में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे एच0आई0वी0/एड्स जागरूकता रैली, स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन, क्लब स्तर पर गोष्ठी, स्लोगन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि समय–समय पर आयोजित कराई जाती हैं।इसके अतिरिक्त यूसैक्स द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में रेड रिबन क्लबों द्वारा समय–समय पर प्रतिभाग किया जाता रहा है।

कार्यनीति सूचना प्रबंधन यूनिट

(Strategic Information Management Unit – SIMU Bulletin 2017-18)

भारत की एच.आई.वी./एड्स महामारी से निपटने में सफलता अंशतः इस बात में निहित है कि भारत ने किस प्रकार महत्वपूर्ण नीति और कार्यक्रम संबंधी निर्णय लेने के लिए अपने साक्ष्य आधार को विकसित किया है और उनका उपयोग किया है। विगत 15 वर्षो में आंकड़े स्रोतों की संख्या बढ़ी है तथा आंकड़ा सृजन की भौगोलिक ईकाई, विश्लेषण तथा आयोजन के लिए उपयोग राष्ट्रीय स्तर से स्थानानतरित होकर राज्य, जिला और अब उपजिला स्तर तक पहुंच गया है। इससे भारत सभी भौगोलिक क्षेत्रों, आबादियों पर ध्यान केन्द्रित कर सका है और अपनी कार्रवाही को सूचारू कर सका है। आंकड़ों स्रोतों में वृद्धि तथा आंकड़े के विश्लेशण और उपयोग के लिए भारत के भीतर बढ़ती क्षमता को देखते हुए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर कार्यक्रम के संबंध में बेहतर निर्णय लेने की प्रक्रिया के लिए आंकड़ें के उपयोग को सुदृढ़ करने हेतु इन अवसरों की पहचान करना आवश्यक है।

कार्यनीतिक सूचना प्रबंधन भारत के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम का प्रमुख आधार है। एन.ए.सी.पी.–4 के अंतर्गत एक समग्र ज्ञान प्रबंधन कार्यनीति रखने की परिकल्पना की गई है, जिसमें आंकड़ा सृजन से लेकर इसके प्रचार प्रसार और प्रभावी उपयोग तक के कार्यनीतिक सूचना क्रियाकलापों के संपूर्ण क्षेत्र शामिल हों। कार्यनीति में निम्नलिखित सुनिश्चित किया जाएगा।

- आंकड़ा सृजन प्रणालियों अर्थात निगरानी, कार्यक्रम मॉनिटरिंग और अनुसंधान की उच्च गुणवत्ता।
- विभिन्न रूपों में ज्ञान उत्पादों के चरणबद्ध विश्लेषण, विकास और प्रसार को सुदृढ़ करना।
- ज्ञान रूपांतरण सभी स्तरों पर नीति निर्माण तथा कार्यक्रम प्रबंधन का महत्वपूर्ण घटक है।

निगरानी प्रणाली को उभर रही महामारियों पर ध्याान केन्द्रित करते हुए आगे और सुदृढ़ किया जायगा। ठोस रिपोटिंग और कार्यक्रम मॉनिटिरिंग सुनिश्चित करने के लिए, कार्यनीतिक सूचना प्रबंधन प्रणाली, वेब आधारित एकीकृत प्रणाली (Strategic Information Management Software- SIMS) को प्रदेश भर में अनुसंधान प्राथमिकताओं को कार्यक्रम की उभर रही जरूरतों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रमुख प्रश्नों का उत्तर देने के लिए अपेक्षित विश्लेषण और एच.आई.वी./एड्स अनुसंधान करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएगें। कार्यक्रम के विभिन्न कार्यकलापों के प्रभाव मूल्यांकन तथा आउटकम के लिए ठोस मूल्यांकन प्रणालियां स्थापित की जायेगी। एन.ए.सी.पी. कार्यक्रम और अनुसंधान आंकड़ें के प्रभावी उपयोग के लिए साक्ष्य को प्रलेखित, प्रबंधित और प्रसार करेगा। ज्ञान रूपांतरण के घटक को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी ताकि कार्यक्रम के सभी स्तरों पर ज्ञान और कार्रवाई के बीच कड़ी सुनिश्चित की जा सके।

कार्यक्रम मॉनिटरिंग :–

1. प्रणाली विकास एवं रख–रखाव, रिपोर्टिंग प्रपत्रों को अंतिम रूप देने, फीडबैक के आधार पर परिवर्तन/सुधान सुनिश्चित करने, इसके प्रयोग में कार्यक्रम कार्मिक को प्रशिक्षित करने कठिनाई की बढ़ोत्तरी एवं मेनटोरिंग सहित कार्यक्रम यूनिटों से नियमित रिपोटिंग के लिए कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रबंधन प्रणाली (एस.आई.एम.एस./कार्यनीतिक सूचना प्रबंधन प्रणाली) का प्रबंधन करना।
2. एस.आई.एम.एस. (SIMS) के जरिए प्रदेशभर में कार्यक्रम कार्यान्वयन की मॉनीटरिंग तथा संबंधित कार्यक्रम प्रभागों एवं स्थापित केन्द्रों को फीडबैक प्रदान करना।
3. आकड़ें गुणवत्त, कार्यक्रम यूनिटों में समय पर और पूरी रिर्पोटिंग की मॉनीटरिंग करना और इसे सुनिश्चित करना।
4. आकड़ों प्रबंधन, विश्लेषण और प्रकाशन।
5. आंकड़े का आदान–प्रदान एवं प्रसार।
6. आंकड़े संबंधी अनुरोधों पर कार्रवाही करना।
7. कार्यक्रम संबंधी अनुरोधों पर कार्यवाही करना।
8. कार्यक्रम स्थिति नोट एवं रिपोर्ट (वार्षिक रिपोर्ट, मासिक मत्रिमंडल नोट, परिणाम कार्य ढांचा प्रलेख इत्यादि) आदि।

कार्यनीति सूचना प्रबंधन प्रणाली :–

एस.आई.एम.एस. एक वैब आधारित एकीकृत मॉनिटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली है, जो विभिन्न स्तरों अर्थात रिपोर्टिंग यूनिट, जिला और राज्य से सीधे ही आंकड़े को प्राप्त करने तथा सही समय पर कहीं भी इसको देखे जा सकने मे मदद करता है। यह प्रमुख सूचकों का ऑटोमेटिक सकल योग तैयार करता है जिसे किसी भी स्तर पर मानक और प्रयोक्ता अनुकूल रिपोर्टो के जरिए समीक्षा की जा सकती है। यह केन्द्रीय रूप से वैध आकड़े के जरिए पर्याप्त आंकड़ा गुणवत्ता सुनिश्चित करके कम्प्यूटरीकृत मॉनिटरिंग और मूल्यांकन प्रणाली की क्षमता

बढ़ाता है। इसे सभी अन्य डाटा बेसों अर्थात निगरानी, पी.एल. एच.ए. डॉटा बेस, अन्य सर्वेक्षण आंकड़े आदि के साथ एकीकृत किया जात सकता है। यह परामर्श एवं जांच केन्द्रों तथा ए.आर. टी. केन्द्रों से व्यक्तिगत स्तर की सूचना को प्रापत करने में सहयोग करता है। जिससे व्यक्तिगत सूचना की आंकड़ा विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा उपाय किए जाते है। यह स्लाइस एवं डाइस क्षमताओं से मापे जा सकने योग्य, मोडुलर और विस्तार योग्य है। इसमें एस.ए.ए. का उपयोग करके उन्नत विश्लेषण के लिए विकल्प है और इसे स्पेशियल विश्लेषण हेतु जी.आईएस. सिस्टम से जोड़ा जा सकता है। यह प्रणाली प्रमुख कार्यक्रम क्षेत्रों (आई.सी.टी.सी., ए.आर.टी.) के लिए व्यक्तिगत स्तर पर आंकड़ा संग्रह करने के लिए कार्य को सफल बनायेगा तथा इनमें निर्मित वास्तविक समय विश्लेषक, ट्रायएंगुलेशन एवं आकड़ा वैधीकरण क्षमताएं है।

एस.आई.एम.एस (SIMS) का प्रशिक्षण और कार्यानवयन :–

एस.आई.एस.एस. के सफल कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट दिशा निर्देश तैयार किये गए है जिनमें नाको और एड्स नियंत्रण समिति के विभिन्न अधिकारियों के कार्यो एवं जिम्मेदारियों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। प्रत्येक घटक के लिए प्रशिक्षण समाग्री तथा प्रयोक्ता मैनुअल तैयार किए गए है।

राज्य एड्स नियंत्रण समिति तथा नाको में सभी रिपोर्टिंग यूनिटों, कार्यक्रम अधिकारियों का आरंभिक पुरश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। प्रयोक्ताओं से प्राप्त फीडबैक को चरणबद्ध तरीके से लॉग किया जाता है तथा साफ्टवेयर दल के समन्वय से आवश्यक तकनीकी सुधार एवं संशोधन किए जाते है।

मासिक कार्यक्रम रिपोर्टिंग :–

सीधे ही स्वास्थ्य केन्द्रों तथा कार्यकलाप स्थलों से सेवा प्रदानगी के बारे में सूचना की वैब आधारित रिपोर्टिंग के लिए देश भर में कार्यनीतिक सूचना प्रबंधन प्रणाली (SIMS) शुरू की गई है। चूंकि एस.आई.एम.एस वर्ष 2015–16 के दौरान क्षेत्र में दृढ़ता से स्थापित किए जाने तथा स्थिर किए जाने की प्रक्रिया में है इसलिए कार्यक्रम के अन्तर्गत आंकड़ा संग्रह करने का काम कम्प्यूटरीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (CMIS) के जरिए किया जाता है। इस समय प्रदेश के 13 जिलों में स्थापित स्मस्त केन्द्रों से एस.आई.एम.एस (SIMS) प्रणाली से रिपोर्ट करते है।

प्रत्येक केन्द्र से प्रत्येक महीने की 5 तारीख तक एस. आई.एम.एस (SIMS) मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना होता है। रिपोर्टिंग की समय सीमा तथा पूर्णता की मॉनिटरिंग मासिक आधार पर की जाती है तथा उनमें सुधार लाने के लिए सम्बन्धित केन्द्र कर्मी को फीडबैक दिया जाता है।

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

अल्मोड़ा में एड्स से बचाव को जागरूकता रैली

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जन जागरूकता रैली

'रक्तदान कर पुण्य कमाएं'

शिविर में सम्मानित हुए 20 रक्तदाता

रुद्रपुर। राष्ट्रीय रक्तदाता दिवस पर ब्लड बैंक में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा निदेशक डॉ. एलएम उप्रेती ने रक्तदाताओं और स्वयंसेवियों को सम्मानित किया। इस दौरान रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। रविवार को किच्छा बाइपास रोड स्थित ब्लड बैंक में लगे शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान दिया। मुख्य अतिथि स्वास्थ्य निदेशक डॉ. उप्रेती ने स्वयं सेवियों रविंद्र शर्मा, पुष्पक अग्रवाल, पवन, लक्खा सिंह, मानू ठाकुर, ...

स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर 20 यूनिट रक्त एकत्र

...कर जान बचाना: गोयल

कार्यक्रमों से समझाया, जागरूकता ही एड्स से बचाव

विश्व एड्स दिवस पर विभिन्न स्थानों पर जागरूकता रैली निकाली गई, एड्स के लक्षण और बचाव की जानकारी दी

समाचार पत्रों की सुर्खियाँ

स्वैच्छिक रक्तदान दिवस पर निकाली रैली

रक्तदान से बच सकती हैं कई जानें

विश्व रक्तदाता दिवस का आयोजन

देहरादून : देव ऋषि ऐजुकेशनल सोसाइटी में राज्य एड्स नियंत्रण समिति, परिवार कल्याण विभाग व राज्य सरकार की ओर से बुधवार को विश्व रक्तदाता दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अपर परियोजना निदेशक डॉ. वीएस टोलिया ने कहा कि राज्य में स्वैच्छिक रक्तदान के लिए कई प्रकार के जागरुकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। देव ऋषि एजुकेशनल सोसाइटी के सीईओ शरद गुप्तियाल ने कहा कि भविष्य में छात्र-छात्राओं को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाएगा।

विश्व एड्स दिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने किया गोष्ठी का आयोजन

एड्स नियंत्रण के लिए जागरूकता जरूरी

राज्य ब्यूरो, देहरादून : मुख्यमंत्री हरीश रावत ने विश्व एड्स दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की है कि एड्स नियंत्रण के लिए आम जनता को जागरूक करने के कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। एड्स एक घातक बीमारी है, जिससे बचाव के लिए केवल शिक्षा एवं जागरूकता ही सबसे प्रभावी उपाय है और जनजागरण के माध्यम से ही इस घातक बीमारी के प्रति लोगों को जागृत किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी जिलों के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में एड्स के प्रति नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए सभी वर्गों का सहयोग लेने की अपील की।

उन्होंने शिक्षण संस्थाओं, एनसीसी, एनएसएस, स्वैच्छिक संगठनों, भीड़िया प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्य से जुड़े संगठनों के समन्वय से एड्स नियंत्रण के लिए कार्य करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि एचआईवी एड्स से प्रभावित लोगों से भेदभाव का व्यवहार न करें।

रक्तदान दिवस पर गोष्ठी का आयोजन

देहरादून। उत्तराखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं राज्य संचरण परिषद का राष्ट्रीय स्वैछिक रक्तदान दिवस रविवार को राज्य स्तरीय गोष्ठी टाउन हॉल में हुई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. डा. बीएस जंगपांगी रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा दीप प्रज्जवलित कर दिया गया। अपर परियोजना निदेशक यूसैक्स डा. वीएस टोलिया ने इस अवसर पर राज्य एड्स नियंत्रण समिति के तहत राज्य रक्त संचरण परिषद द्वारा स्वैछिक रक्तदाताओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से किये जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के बारे में बताया। इस अवसर पर डा. वीसी काला, सहायक निदेशक सौरभ सहगल, एसटीओ महानिदेशालय डा. एसके पांडे, डीटीओ देहरादून मेजर प्रेमलता वर्मा, एनसीसी एमकेपी इंटरकॉलेज हंसी नेगी मौजूद रहे।

आई.ई.सी. सामग्री

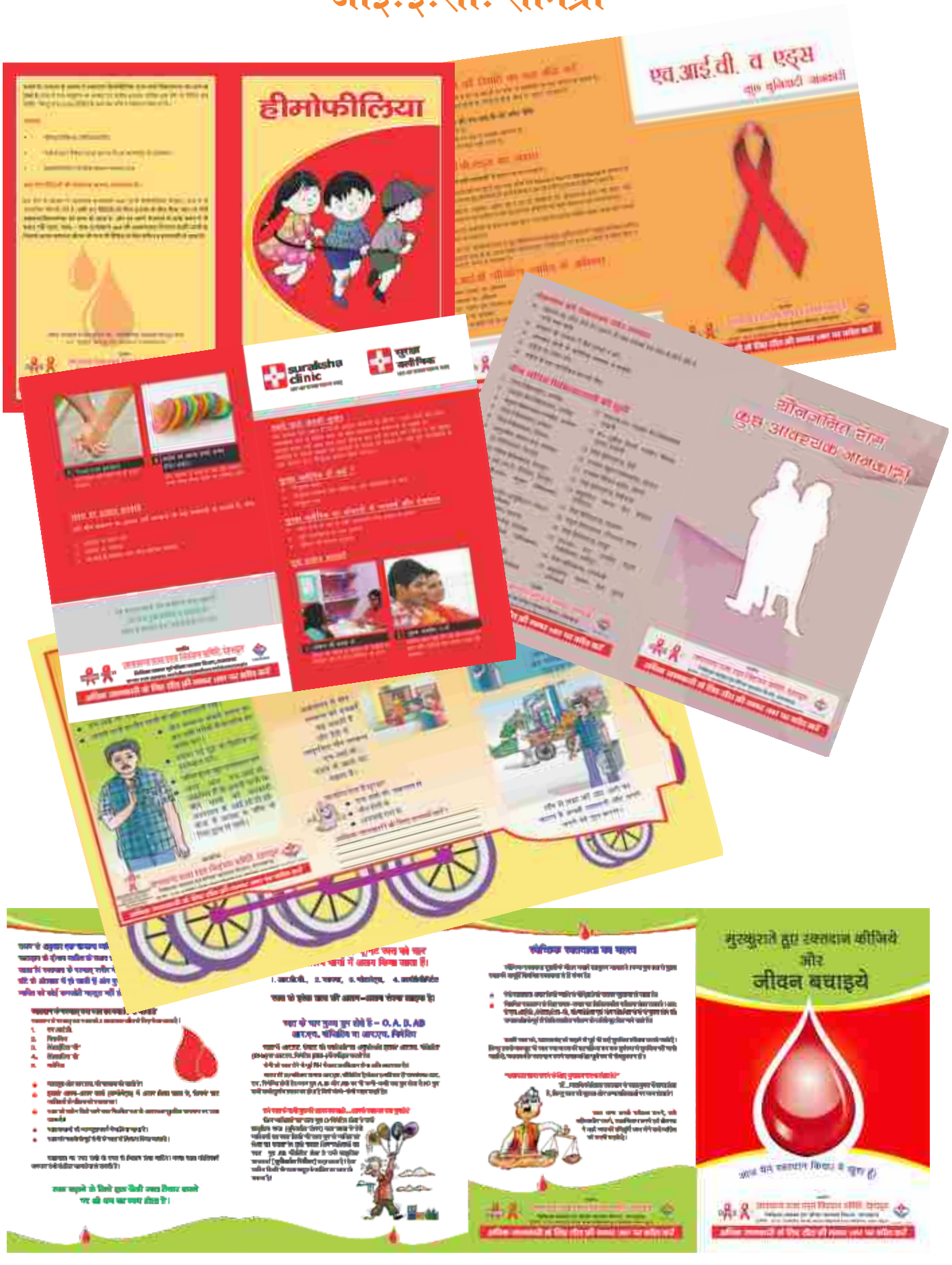
हीमोफीलिया
एच.आई.वी. व एड्स
suraksha clinic
सुरक्षा क्लीनिक
मुस्कुराते हुए रक्तदान कीजिये
और
जीवन बचाइये

आई.ई.सी. सामग्री

एच.आई.वी./(HIV) संक्रमित व्यक्ति के साथ खेलने,
खाने या रहने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता।
संक्रमित व्यक्ति के साथ भेदभाव नाइंसाफी है।
एच.आई.वी./एड्स पर अधिक
जानकारी के लिए टोल फ्री हेल्पलाईन
सेवा 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
हमेशा नई सुई एवं
सिरिंज का इस्तेमाल
नियमित स्वैच्छिक रक्तदान से ही
सुरक्षित रक्त प्राप्त किया जा सकता है।
18–65 वर्ष की आयु का कोई
भी स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने
में एक बार रक्तदान कर सकता है।
"रक्तदान" "जीवनदान" "महादान"
रक्तदान कीजिये – जीवन उपहार दीजिये
Donate Blood & Give a Gift of Life
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।
एच.आई.वी. संक्रमण है तो
शरमाएं नहीं, अपनाएं नियमित जीवन,
उपचार और देखभाल
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें।
उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियन्त्रण
समिति द्वारा प्रदान की जा रही
सेवाओं की एक झलक
इनसे एच.आई.वी./ एड्स नहीं होता है।
सही जानकारी ही बचाव है।

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति में तैनात समस्त कार्मिको की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम	फोन नं0
1	श्री युगल किशोर पन्त, IAS	परियोजना निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)	0135–2608885
2	डा0 वी0एस0 टोलिया	अपर परियोजना निदेशक	8077963427
3	श्री डी0एन0 जोशी	उप निदेशक (वित्त)	9761455429
4	श्री अनिल कुमार सती	संयुक्त निदेशक, आई0ई0सी0 (अतिरिक्त प्रभार)	8392906108
5	श्री संजय बिष्ट	उप निदेशक (टी0आई0)	9012100044
6	श्री डी0के0 गुप्ता	सहायक निदेशक (वित्त)	9897055969
7	श्री गगनदीप लूथरा	सहायक निदेशक (मुल्यांकन एवं अनुश्रवण)	9897604375
8	श्री रमेश चन्द्र	सहायक निदेशक (क्रय)	9410393690
9	श्री जसवन्त सिंह बिष्ट	सहायक निदेशक (स्टोर)	7500758222
10	श्री प्रदीप हटवाल	सहायक निदेशक (क्वालिटी–बी0टी0एस0)	8474909998
11	श्री सुरेन्द्र सिंह बिष्ट	लेखाकार	9410783636
12	श्री सुनील कुमार सिंह	सहायक निदेशक (आई0सी0टी0सी0)	9012240008
13	श्री ओम प्रकाश सिंह	सहायक निदेशक (टी0आई0)	7500657555
14	श्री सौरभ सहगल	सहायक निदेशक (डाक्यूमेन्टशन एण्ड पब्लिसिटी)	8393888894
15	श्री मुकेश कुमार चनालिया	प्रोक्योरमेन्ट सहायक	7500706555
16	श्री जगदीश अधिकारी	अनुभाग सहायक	9634499741
17	श्रीमती मीनाक्षी भण्डारी	अनुभाग सहायक	7500205554
18	श्री विनोद कुमार	अनुभाग सहायक	8126092022
19	श्री बिरेन्द्र सिंह बिष्ट	अनुभाग सहायक	7351228999
20	श्री अजय सुन्दरियाल	अनुभाग सहायक	9997291412
21	श्री दिगम्बर सुन्द्रियाल	अनुभाग सहायक	9997763906
22	श्री शिवप्रकाश धस्माना	अनुभाग सहायक	9690662713
23	श्री जयकृत नेगी	अनुभाग सहायक	9761716126
24	श्री हरीश सिंह नेगी	मैसेन्जर	9897933708
25	श्री बहादुर चन्द	वाहन चालक	9411153839
26	श्री गणेश गुरूंग	वाहन चालक	9897493850
27	श्रीमती सोनी भट्ट	जूनियर एकाउन्टेंट, एस0बी0टी0सी0	9634431418
28	श्रीमती शकुन्तला सेमवाल	कार्यालय सहायक, एस0बी0टी0सी0	9458974880
29	श्री उमेद सिंह कठैत	वाहन चालक एस0बी0टी0सी0 (आउटसोर्स)	9837779568
30	श्री प्रवीन कुमार	अनुसेवक, एस0बी0टी0सी0	8936988501
31	श्री अनिल दत्त भट्ट	अनुसेवक, एस0बी0टी0सी0	9634703634
32	श्री देवेन्द्र चन्द	चतुर्थ श्रेणी (आउटर्सोस)	9458125929
33	श्री कल्याण राम	चतुर्थ श्रेणी (आउटर्सोस)	7500777445
34	श्री मंगल प्रसाद उनियाल	चतुर्थ श्रेणी (आउटर्सोस)	9627229101

लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना, उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, के अन्तर्गत संचालित कार्यरत गैर सरकारी संस्थाओं (NGOs) की सूची (2017-18)

क्र.सं0	जनपद	संस्था का नाम	पता	टाइपोलोजी	परियोजना निदेशक
1.	अल्मोड़ा	ग्रामीण समाज कल्याण समिति	तल्ला चिनाखान, अल्मोड़ा।	FSW-400	श्री गोपाल सिंह चौहान, 9412436325
2.	चंपावत	एसोशिएशन फार पीपल एडवान्समेन्ट एण्ड एक्शन रिसर्च	C/o श्री अशोक तिवारी, चण्डी नगर, कारकी फार्म, आम बाग़, टनकपुर, चम्पावत।	FSW-300	श्री सुभाष जोशी, 9634566787
3.	देहरादून	हर्बटपुर, क्रिश्चियन हास्पिटल	C/o कमलजीत कम्बोज, 38/64 बकरालवाला, ने विला रोड़, देहरादून।	IDU -300	श्री राजकमल 01360–250260,9458344431
4.		बालाजी सेवा संस्थान,	लेन नं0–सी–18, टर्नर रोड़, क्लेमेनटाउन, देहरादून। प्रोजेक्ट आफिसः हाउस नं0–127, सुभाष नगर, चन्द्रबनी चौक,देहरादून।	Migrant -10000	श्री अवधेश कुमार, 8859993336
5.		सोसाइटी फार एनवायरनमेंट एण्ड डेवल्पमेंट	30/1 धर्मपुर, देहरादून।	MSM-300, TG-40	श्रीमती कुसुम घिल्डियाल, 01356536099,9412027279 9412325403
6.		फ्रैन्ड्स आफ सोशियो डेवल्पमेंट सोसाइटी	चकराता रोड़, नियर हिल व्यू होटल,त्यूनी, ब्लाक–चकराता, जनपद–देहरादून। हाउस नं0 151, गढ़वाल मार्केट, मोहकमपुर, देहरादून।	FSW-250	श्री अखिलेश ब्यास, 9412952797
7.		अग्नेस कुंज सोसाइटी	आलम हुसैन, वार्ड नं0– 046, मदनी कालोनी, माजरा, देहरादून।	FSW-800	लारेंस सिंह, 09719536211
8.	हरिद्वार	हिमालयन इन्सटिट्यूट फार रूरल अवेकनिंग	राजन ठाकुर हाउस, बिहाइन्ड काली मन्दिर, सुनहरा रोड़, रूड़की, जनपद–हरिद्वार।	FSW-300 MSM-350, TG-50	श्री दिलीप कुमार सिंह, 9412989157
9.		आदर्श युवा समिति,	लक्सर रोड़, जगजीतपुर, पोस्ट–कनखल, जनपद–हरिद्वार।	FSW-400 MSM-400, TG-50	श्री लखबीर सिंह, 9719008423
10.		चौखम्बा	लांबा लौज, फ्रैन्ड्स कालोनी, रावली महदूत, सिडकुल, पो0ओ0– शिवालिक नगर, हरिद्वार।	Migrant -15000	श्री आलोक डंगवाल, 9411536300
11.		चौखम्बा	लांबा लौज, फ्रैन्ड्स कालोनी, रावली महदूत, सिडकुल, पो0ओ0– शिवालिक नगर, हरिद्वार।	IDU-350	श्री आलोक डंगवाल, 9411536300

12.		विलेज डेवल्पमेंट सोसाइटी	डी0ए0वी0 इण्टर कालेज ग्राउण्ड के सामने, लाल मन्दिर वाली गली में, गली–3, आस्था कोचिंग सैन्टर वाली सम्राट कालोनी, भगवानपुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड–247661	Migrant-10000	श्री आर0बी0 सैनी 9719255509
13.		ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन	H.O.- C/o श्री मोहनन पिल्लई (Mr. Mohanan Pillai), Manager HR & Admin ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन (TCIF) टी0सी0आई0 हाउस, 69 इन्स्टिट्यूशनल एरिया, सैक्टर–32, गुड़गांव, हरियाणा। प्रोजेक्ट आफिसः सुरक्षा खुशी क्लीनिक (टी0आई0), मलिक काम्पलेक्स, सलेमपुर चौक, बहादराबाद, हरिद्वार, उत्तराखण्ड।	Truckers - 15000	श्री मुनीष चन्दर 9643208622, 0124–2381–603607,
14.	नैनीताल	मॉटिवेशनल इन्सटिट्यूट फार ट्रेनिंग एण्ड रिइनफोर्समेन्ट	देव विहार, गली न0–10, मल्ला लोहारियासाल, उंचा पुल हल्द्वानी, नैनीताल। प्रोजेक्ट आफिसः रतन कुंज, पाण्डे निवास, जेल रोड़ चौराहा, हल्द्वानी।	FSW-800 MSM-250	श्री दिनेश महतोलिया 9411107651
15.		धरोहर विकास संस्थान	बिथौरिया नं0–1, नियर नौर्थ हिल एकेडमी स्कूल, विकास नगर, हल्द्वानी, नैनीताल।	IDU -300	श्री नकुल पाण्डे 8057538922
16.		लोक चेतना मंच	विकास नगर, नियर जी0आई0सी0 नारायण नगर, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी, नैनीताल।	Migrant -10000	श्री के0एन0 ढुमका 9410936928
17.		ग्रामीण विकास एवं शोध संस्था	ग्राम एवं पो0–नकटपुरा, वाया किच्छा, उधमसिंह नगर, प्रोजेक्ट आफिस–नियर गुरूद्वारा, टी0एस0एल0(लालकुवां) नैनीताल।	Truckers -5000	श्री डी0एन0 सिंह 9837373673
18.	पिथौरागढ़	पर्वतीय अरण्य सेवा एवं विकास संस्थान	पुलिस लाईन रोड़, कुमौर, पिथौरागढ़। प्रोजेक्ट आफिसः जी0आई0सी0 रोड़, नियर लैड बैंक (LEAD BANK), पिथौरागढ़।	Migrant -10000	श्री पंकज कुमार कांडपाल, 9412045085
19.		स्वाती ग्रामोद्योग संस्थान	धारचुला रोड़, पिथौरागढ़। प्रोजेक्ट आफिसः दया निवास, धारचुला रोड़, पिथौरागढ़।	FSW-400	श्री राजेन्द्र सिंह बिष्ट 05964–224098,9412095668
20.	पौड़ी	ग्रामीण हिमालय अध्ययन एवं संरक्षण संस्था	नियर झूला पुल, रतनपुर, ग्रा0 व पो0 खुम्भीचौर, कोटद्वार, पौड़ी।	FSW-200 MSM-100, TG-20	श्री कुलदीप सिंह गुसांई 9870652968
21.	उधमसिंह नगर	पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति	ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उद्यमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः जयन्त शाह, 12 ठाकुर नगर, ट्रांजिट कैम्प, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर।	FSW-800	श्री सी0पी0 सिंह, 07500134436

22.		अवोर्ड ग्राम्य विकास शिक्षा समिति	ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उद्यमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः नियर बैक आफ बड़ौदा, दिनेशपुर, उधमसिंह नगर।	FSW-300 MSM-120,	श्री अजीत श्रीवास्तव, 9458159911
23.		इंडियन इन्स्टिट्यूट फार मॉनिटरिंग ऑफ पोल्यूशन, एग्रीकल्चरल रिसर्च एण्ड टैक्नोलॉजी ट्रांसफर	हल्द्वानी बाईपास रोड़, किशनपुर, किच्छा, उद्यमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः नियर अटारिया मन्दिर रोड़, शक्ति विहार कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	IDU -450	श्री एस0एन0 दुबे 8057969756
24.		कुमाऊं सेवा समिति	नियर सितार इन्टरनेशनल होटल, सिडकुल रोड़, सितारगंज, उधमसिंह नगर।	FSW-300 MSM-120,	कु0 जया मिश्रा, 9411168213
25.		परिधि सेवा संस्थान	इन्द्रा कालोनी, स्ट्रीट नं0–2, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः रामनगर रोड़, नियर नोकिया केयर सैन्टर, काशीपुर, उधमसिंह नगर।	FSW-300 MSM-130, IDU-200	श्रीमति हेमवती 9837645863
26.		इंस्टिट्यूट आफ सोशल डेवल्पमेंट	H.O.- हल्द्वानी बाईपास रोड़, किशनपुर किच्छा, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड न0 8, नन्दाविहार कालोनी, नियर राधास्वामी सत्संग ब्यास, सितारगंज, उधमसिंह नगर।	IDU -300	श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, 7055302001, 9219442226
27.		ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन	H.O.- C/o श्री मोहनन पिल्लइ (Mr. Mohanan Pillai), Manager HR & Admin ट्रकर्स कार्पोरेशन आफ इण्डिया फांउडेशन (TCIF) टी0सी0आई0 हाउस, 69 इन्स्टिट्यूशनल एरिया, सैक्टर–32, गुड़गांव, हरियाणा। प्रोजेक्ट आफिसः सुरक्षा खुशी क्लीनिक (ट्रकर्स टी0आई0), सिडकुल ब्रिज के नीचे, अटारिया मन्दिर रोड़, जगतपुरा, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड।	Truckers -20000	श्री मुनीष चन्दर 9643208622, 0124–2381–603607,
28.		आदर्श सेवा संस्था	लेन नं0–2, इन्द्रा कालोनी, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर। प्रोजेक्ट आफिसः वार्ड न0–8, रामपुरा, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर।	Migrant -15000	श्रीमती सीमा श्रीवास्तव 09012504835
29.		पर्यावरण एवं जन कल्याण समिति (मांइग्रेंट)	H.O.- ग्राम– बंडिया, पोस्ट– किच्छा, उद्यमसिंह नगर प्रोजेक्ट आफिसः आनन्द विहार, फूलसुन्गा, रूद्रपुर, उधमसिंह नगर	Migrant -15000	श्री सी0पी0 सिंह, 07500134436

उत्तराखण्ड राज्य में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों में स्थापित रक्तकोषों की स्थिति

कुल रक्तकोष – 35
राज्य सरकार –20
केन्द्र सरकार–04
प्राईवेट / चैरिटेबल–11

क्र.सं.	जनपद	रक्तकोष का नाम	स्थिति
1.	देहरादून	मॉडल ब्लड बैंक दून चिकित्सालय, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	राज्य सरकार
2.		एस.पी.एस. राजकीय चिकि0, ऋषिकेश, देहरादून	राज्य सरकार
3.		आई.एम.ए. रक्तकोष, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	पी.पी.पी.
4.		एच.आई.एच.टी. जौलीग्रांट, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
5.		श्री महन्त इन्द्रेश चिकित्सालय, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	चैरिटेबल
6.		सैनिक चिकित्सालय, देहरादून	केन्द्र सरकार
7.		मैक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
8.		अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान, ऋषिकेश (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
9.		कैलाश, हॉस्पिटल, देहरूदन।	प्राईवेट
10.		सुभारती हॉस्पिटल, देहरादून (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
11.	उधमसिंह नगर	जे0एन0एन0 जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	राज्य सरकार
12.		एल0डी0 भट्ट चिकित्सालय, काशीपुर (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	राज्य सरकार
13.		श्री कृष्णा हॉस्पिटल, काशीपुर	प्राईवेट
14.		जीवन रेखा चिकित्सालय, काशीपुर, (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	प्राईवेट
15.		सेवा चैरिटेबल रक्तकोष(ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट))	चैरिटेबल
16.		काशीपुर चैरिटेबल, ब्लड बैंक, काशीपुर	चैरिटेबल
17.	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर	राज्य सरकार
18.	हरिद्वार	एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार	राज्य सरकार
19.		संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	राज्य सरकार
20.		सैनिक चिकित्सालय, रूड़की	केन्द्र सरकार
21.		बी.एच.ई.एल. चिकित्सालय, हरिद्वार	केन्द्र सरकार
22.		रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम, हरिद्वार	चैरिटेबल प्राईवेट
23.	नैनीताल	बी0डी0 पाण्डे जिला चिकित्सालय, नैनीताल	राज्य सरकार
24.		एस.एस.जे. बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	राज्य सरकार
25.		डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय हल्द्वानी (ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट)	राज्य सरकार
26.	पिथौरागढ़	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	राज्य सरकार
27.	अल्मोड़ा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	राज्य सरकार
28.		गो0सिं0 माहरा चिकित्सालय, रानीखेत	राज्य सरकार
29.	पौड़ी	बेस चिकित्सालय, श्रीनगर पौड़ी	राज्य सरकार
30.		जिला चिकित्सालय, पौड़ी	राज्य सरकार
31.		संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	राज्य सरकार
32.	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	राज्य सरकार
33.	टिहरी	जिला चिकित्सालय, बौराड़ी	राज्य सरकार
34.	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	राज्य सरकार
35.	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग	राज्य सरकार

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित सुरक्षा क्लिनिक (Designated STI/RTI Clinic-DSRC) एवं एस.आर.सी. केन्द

क्र.सं.	जनपद	स्थापित सुरक्षा क्लिनिक
1.	अल्मोड़ा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा
2.		राजकीय बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा
3.		संयुक्त चिकित्सालय रानीखेत, अल्मोड़ा
4.	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर
5.	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर
6.	चंपावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट, चंपावत
7.	देहरादून	दून मेडिकल कालेज, देहरादून
8.		एस0पी0एस0 संयुक्त चिकित्सालय, ऋषिकेश
9.		संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर
10.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला
11.		एच.आई.एच.टी. जौलीग्रांट, देहरादून
12.		अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(AIIMS), ऋषिकेश
13.	हरिद्वार	एच0एम0जी0 जिला चिकित्सालय, हरिद्वार
14.		संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की
15.	नैनीताल	बी0डी0 पाण्डे चिकित्सालय, नैनीताल
16.		एस0एस0जे0 राजकीय बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी
17.		डॉ0 सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कालेज, हल्द्वानी
18.	पौड़ी	जिला चिकित्सालय, पौड़ी
19.		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार
20.		राजकीय मेडिकल कालेज, श्रीनगर
21.	पिथौरागढ़	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़
22.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीडीहाट, पिथौरागढ़
23.	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग
24.	टिहरी	संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्रनगर, टिहरी
25.	उधमसिंह नगर	जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर
26.		एल0डी0 भट्ट राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, काशीपुर
27.	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी
28.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुरोला, उत्तरकाशी
29.	देहरादून	एस.आर.सी. केन्द्र, एच.आई.एच.टी., जौलीग्रांट, डोईवाला

उत्तराखण्ड में स्थापित एकीकृत परामर्श एवं परिक्षण केन्द्र

क्र.सं0	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
1.	अल्मोड़ा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा	श्री नरेन्द्र सिंह चौहान	परामर्शदाता
2.			श्री मनोज कुमार	लैब टैक्नीशियन
3.		जिला महिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती उर्मिला उपाध्याय	परामर्शदाता
4.			श्री मनीष थपलियाल	लैब टैक्नीशियन
5.		संयुक्त चिकित्सालय, रानीखेत	श्री मनोज कुमार पाठक	परामर्शदाता
6.			श्रीमती रूचिता भण्डारी	लैब टैक्नीशियन
7.		बेस चिकित्सालय, अल्मोड़ा	श्री प्रेम सिंह बिष्ट	परामर्शदाता
8.			श्री पंकज कुमार थुवाल	लैब टैक्नीशियन
9.	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर	डॉ0 शैफाली शाह	परामर्शदाता
10.			श्री महावीर सिंह कुवंर	लैब टैक्नीशियन
11.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बैजनाथ	श्रीमती मंजू पुरोहित	परामर्शदाता
12.			श्री कमल किशोर त्रिपाठी	लैब टैक्नीशियन
13.	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर		परामर्शदाता
14.			श्री पुषकर सिंह	लैब टैक्नीशियन
15.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कर्णप्रयाग	श्री कुशला नन्द भटट्	परामर्शदाता
16.			श्री महावीर प्रशाद पालीवाल	लैब टैक्नीशियन
17.	चम्पावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट	श्री निर्मल मुरारी	परामर्शदाता
18.			श्री उमेद सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
19.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, टनकपुर	श्रीमती ज्योति जोशी	परामर्शदाता
20.			श्री अजय कुमार शुक्ला	लैब टैक्नीशियन
21.	देहरादून	दून चिकित्सालय, देहरादून	डॉ0 हरीश प्रशाद मैखूरी	परामर्शदाता
22.			श्री रणवीर सिंह बिष्ट	लैब टैक्नीशियन
23.		दून महिला चिकित्सालय, देहरादून (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती भारती उनियाल	परामर्शदाता
24.			श्रीमती सीमा जोशी	परामर्शदाता
25.			श्री गौरव शानी	लैब टैक्नीशियन
26.		सेंट मेरी हॉस्पिटल, मसूरी	श्रीमती पुष्पा आर्या	परामर्शदाता
27.			श्रीमती सुदर्शना सिंह	लैब टैक्नीशियन
28.		हर्रबटपूर क्रिश्चियन हॉस्पिटल, हर्रबटपूर	श्रीमती सीन्थया	परामर्शदाता
29.				लैब टैक्नीशियन
30.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, सहिया	श्री जगमोहन सिंह	परामर्शदाता
31.			श्री भूपेन्द्र कुमार	लैब टैक्नीशियन
32.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोईवाला	कु0 रेणू कुकरेजा	परामर्शदाता
33.			श्रीमती मीनाक्षी डोभाल	लैब टैक्नीशियन
34.		एच.आई.एच.टी. मेडिकल कॉलेज, जौलीग्राण्ट	श्री महावीर सिंह असवाल	परामर्शदाता
35.				लैब टैक्नीशियन

क्र.सं0	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
36.		एस.पी.एस. संयुक्त चिकित्यालय, ऋषिकेश	श्री हीरा बल्लभ नोडियाल	परामर्शदाता
37.			श्री भूपेन्द्र फर्सवाण	लैब टैक्नीशियन
38.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, विकास नगर	श्रीमती रेखा कुक्रेती	परामर्शदाता
39.			श्री संजय सिंह	लैब टैक्नीशियन
40.		संयुक्त चिकित्सालय केन्द्र, प्रेमनगर	श्रीमती पूनम शाही	परामर्शदाता
41.			श्री रणवीर सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
42.	हरिद्वार	एच.एम.जी. जिला चिकित्सालय	श्री वासू देव न्यूली	परामर्शदाता
43.			श्री विनोद कुमार तिवाडी	लैब टैक्नीशियन
44.		जिला महिला चिकित्सालय (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 न्रमता	परामर्शदाता
45.			श्रीमती अनुराधा नौटियाल	लैब टैक्नीशियन
46.		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, रूड़की	श्रीमती वेनू शर्मा	परामर्शदाता
47.			श्री परमन्दर कुमार	लैब टैक्नीशियन
48.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नारसन	श्री आशीष बलोधी	परामर्शदाता
49.			श्री अंकित कुमार शुक्ला	लैब टैक्नीशियन
50.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लक्सर	श्रीमती आशा चौधरी	परामर्शदाता
51.			श्री रविन्द्र बलोधी	लैब टैक्नीशियन
52.	नैनीताल	बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय, नैनीताल		परामर्शदाता
53.			श्रीमती कविता मेहरा	लैब टैक्नीशियन
54.		सोबन सिंह जीना बेस चिकित्सालय, हल्द्वानी	श्रीमती दीपिका गुणवन्त	परामर्शदाता
55.			श्री प्रदीप चन्द्र जोशी	लैब टैक्नीशियन
56.		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, रामनगर	श्रीमती मनीषा तिवाडी	परामर्शदाता
57.			श्री जगत सिंह काराकोटी	लैब टैक्नीशियन
58.		डॉ सुशीला तिवारी मेडिकल कालेज, हल्द्वानी	श्रीमती तनूजा बिष्ट	परामर्शदाता
59.			श्रीमती बीना गूरूरानी	लैब टैक्नीशियन
60.		राजकीय महिला चिकित्सालय, हल्द्वानी (पी.पी.टी.सी.टी.)	डॉ0 शालनी टन्डन	परामर्शदाता
61.			श्री विवेकानन्द	लैब टैक्नीशियन
62.	पौड़ी	जिला चिकित्सालय, पौड़ी	श्री हर्ष पाल सिंह नेगी	परामर्शदाता
63.			श्री संतोष प्रशाद जोशी	लैब टैक्नीशियन
64.		जिला महिला चिकित्सालय, पौड़ी (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 निधि बिष्ट	परामर्शदाता
65.			श्रीमती रेखा जोशी	लैब टैक्नीशियन
66.		बेस चिकित्सालय, श्रीनगर	श्रीमती सीमा हटवाल	परामर्शदाता
67.			श्री हनुमान प्रसाद	लैब टैक्नीशियन
68.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पाबौ	श्री मनदीप सिंह	परामर्शदाता
69.			श्री विजय चन्द रमोला	लैब टैक्नीशियन
70.		राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, कोटद्वार	श्रीमती संगीता कुक्रेती	परामर्शदाता
71.			श्री अनिल कुमार	लैब टैक्नीशियन

क्र.सं0	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
72.	पिथौरागढ़	जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़	कु0 फराना परवीन	परामर्शदाता
73.			श्री दिनेश जोशी	लैब टैक्नीशियन
74.		जिला महिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़ (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती गोदावरी खोलीया	परामर्शदाता
75.				लैब टैक्नीशियन
76.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, धारचुला		परामर्शदाता
77.			श्री दिनेश चन्द्रा	लैब टैक्नीशियन
78.	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग		परामर्शदाता
79..			श्री अरूण चमोला	लैब टैक्नीशियन
80.81.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जखोली	श्रीमती अंजना भटट्	परामर्शदाता
82.			श्री अशूतोष नेगी	लैब टैक्नीशियन
83.	टिहरी गढ़वाल	जिला चिकित्सालय, बौराड़ी	श्री मुकेश सिंह	परामर्शदाता
84.			श्री आनन्द सिंह रावत	लैब टैक्नीशियन
85.		श्री देव सुमन संयुक्त चिकित्सालय, नरेन्द्रनगर	श्री राम लाल डिमरी	परामर्शदाता
86.			श्री रविकान्त रॉय	लैब टैक्नीशियन
87.	उधमसिंह नगर	जे. एल. एन. जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर	श्री ललीत चन्द्र पन्त	परामर्शदाता
88.			श्री सुरेश थपलियाल	लैब टैक्नीशियन
89.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जसपुर	श्री सन्दीप चौहान	परामर्शदाता
90.			श्री जमील अहमद	लैब टैक्नीशियन
91.		एल.डी. भट्ट राजकीय चिकित्सालय, काशीपुर	श्रीमती सरिता ठाकुर	परामर्शदाता
92.				लैब टैक्नीशियन
93.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, खटीमा	श्री धर्मेन्द्र कुमार गुप्ता	परामर्शदाता
94.			श्री शिवपद मण्डल	लैब टैक्नीशियन
95.	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी	श्रीमती सीमा शर्मा	परामर्शदाता
96.			श्री संदीप सिंह	लैब टैक्नीशियन
97.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरोला	श्री यशवीर सिंह	परामर्शदाता
98.				लैब टैक्नीशियन
99.		सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौगांव	श्री शिव प्रसाद	परामर्शदाता
100.			श्री संजय प्रकाश जोशी	लैब टैक्नीशियन
101.	मोबाईल वैन	आई.सी.टी.सी. मोबाईल वैन	श्री अजय घरती	परामर्शदाता
102.			श्री सिद्यार्थ कुक्रेती	लैब टैक्नीशियन
103.			श्री प्रकाश चन्द्र जोशी	वाहन चालक
104.			श्री राजन राम	एटेन्डेन्ट

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित केन्द्र जहां एच.आई.वी./एड्स ग्रसित मरीजों को एन्टीरेट्रोवायरल की निःशुल्क दवा प्रदान की जाती है :-

- ए.आर.टी. केन्द्र – दून चिकित्सालय, कक्ष संख्या 101, द्वितीय तल, देहरादून। दूरभाष संख्या : 0135-2655529 (Direct), 2653523-Extn. 373
- ए.आर.टी. केन्द्र – डॉ0 सुशीला तिवारी, राजकीय चिकित्सालय, रामपुर रोड हल्द्वानी (नैनीताल), दूरभाष संख्या : 05946-235609 (Direct), 05946-234104, 234397, Extn. 3284, 3164.
- एफ.आई. ए.आर.टी. केन्द्र (फैसिलिटी इन्ट्रीगेटेड ए.आर.टी. केन्द्र) – बी.डी. पाण्डे जिला चिकित्सालय, पिथौरागढ़।

उत्तराखण्ड राज्य में स्थापित एवं कार्यरत लिंक ए.आर.टी. केन्द्रों की सूची :–

क्र.सं.	जिला	लिंक ए.आर.टी. का नाम
1.	अल्मोडा	जिला चिकित्सालय, अल्मोड़ा
2.	बागेश्वर	जिला चिकित्सालय, बागेश्वर
3.	चमोली	जिला चिकित्सालय, गोपेश्वर, चमोली
4.	चम्पावत	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, लोहाघाट, चम्पावत
5.	देहरादून	संयुक्त चिकित्सालय, ऋषिकेश
6.	हरिद्वार	जिला चिकित्सालय, हरिद्वार
7.		संयुक्त चिकित्सालय रूड़की, हरिद्वार
8.	पौड़ी	बेस/मेडिकल चिकित्सालय, श्रीनगर, पौड़ी
9.		जिला चिकित्सालय, पौड़ी
10.		संयुक्त चिकित्सालय कोटद्वार, पौड़ी
11.	रूद्रप्रयाग	जिला चिकित्सालय, रूद्रप्रयाग
12.	टिहरी	जिला चिकित्सालय, बौराड़ी, टिहरी
13.	उधमसिंह नगर	संयुक्त चिकित्सालय काशीपुर, उधमसिंह नगर
14.		संयुक्त चिकित्सालय, खटीमा, उधमसिंह नगर
15.		सामु0 स्वा0 केन्द्र, जसपुर, उधमसिंह नगर
16.	उत्तरकाशी	जिला चिकित्सालय, उत्तरकाशी

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति के अन्तर्गत स्थापित ओ०एस०टी० केन्द्रों में कार्यरत स्टाफ का विवरण 2017-18

क्र.सं0	ओ0एस0टी0 केन्द्र का नाम	स्टाफ का नाम	पदनाम	फोन नं0
1.	राजकीय एलोपैथिक चिकित्सालय, बनभूलपुरा, हल्द्वानी, जनपद नैनीताल	डा0 संजय गुप्ता	चिकित्सा अधिकारी	9412129241
		सुनील कुमार	काउंसलर	9412605526
		सलोमी मसीह	ए0एन0एम0	9307247835
2	जवाहरलाल नेहरू जिला चिकित्सालय, रूद्रपुर, जनपद–उधमसिंह नगर	डॉ0 राम बिहारी वर्मा	चिकित्सा अधिकारी	9410161710
		रंजन पाण्डेय	डाटा मैनेजर	9720341617
		श्वेता दीक्षित	काउंसलर	8958929947
		बीना कार्की	ए0एन0एम0	7409928867
3.	राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, प्रेमनगर, जनपद–देहरादून	डॉ0 विक्रम सिंह सयाना	नोडल अधिकारी	9411104352
		जीतेन्द्र सिंह	डाटा मैनेजर	9319703535
		प्रेमलता	ए0एन0एम0	9634708093
4.	एल0डी0 भट्ट राजकीय चिकित्सालय काशीपुर, जनपद–उधमसिंह नगर	डा0 कमलजीत सिंह	चिकित्सा अधिकारी	9690192582
		भावना बिष्ट	डाटा मैनेजर	8899454938
		नीता पंत	काउंसलर	7830738828
5.	मेला चिकित्सालय, हरिद्वार	डॉ0 अजय कुमार	नोडल अधिकारी	7579212002
		दीपक कुमार	डाटा मैनेजर	9760504303
		आशा नेगी	काउंसलर	9412383291

ई०आई०डी० सेन्टर (अर्ली इन्फेंट डायग्नोसिस सेन्टर)

क्र.सं.	जिला	स्वास्थ्य केन्द्रों के नाम	कर्मियों के नाम	पद का नाम
1.	देहरादून	दून महिला चिकित्सालय, देहरादून (पी.पी.टी.सी.टी.)	श्रीमती भारती उनियाल	परामर्शदाता
			श्रीमती सीमा जोशी	परामर्शदाता
2.	हरिद्वार	जिला महिला चिकित्सालय (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 न्रमता	परामर्शदाता
3.	पौड़ी	जिला महिला चिकित्सालय, पौड़ी (पी.पी.टी.सी.टी.)	कु0 निधि बिष्ट	परामर्शदाता

Abbreviation

AAP	Annual Action Plan
AEP	Adolescence Education Programme
AIDS	Acquired Immuno Deficiency Syndrome
ANC	Antenatal Clinic
ART	Anti-retroviral Therapy
ASHA	Accredited Social Health Activist
ANM	Auxiliary Nurse Midwife
BCC	Behaviour Change Communication
BCSU	Blood Component Separation Units
BSS	Behaviour Surveillance Survey
CBO	Community-Based Organisation
COE	Centre of Excellence
CPT	Cotrimoxazole Prophylaxis Therapy
CST	Care, Support & Treatment
CCC	Community Care Centre
CDC	Centers for Disease Control and Prevention
CHC	Community Health Centre
CLHA	Children Living with HIV/AIDS
CMIS	Computerised Management Information System
CPFMS	Computerised Project Financial Management System
CPGRAMS	Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System
CSMP	Condom Social Marketing Programme
CVM	Condom Vending Machine
DACO	District AIDS Control Officer
DAPCU	District AIDS Prevention & Control Unit
DFID	Department for International Development (UK)
DIC	Drop In Centre
Led	Employer Led Model
ESCM	Enhanced Syndromic Case Management
EQAS	External Quality Assessment Scheme
FC	Female Condom
FHI	Family Health International
FICTC	Facility Integrated Counseling and Testing Centre
FOGSI	Federation of Obstetric & Gynaecological Societies of India
FRU	First Referral Unit
FSW	Female Sex Workers
GC	General Client
GFATM	Global Fund for AIDS, Tuberculosis and Malaria
GIPA	Greater Involvement of People living with HIV/AIDS
H&FW	Health & Family Welfare
HIV	Human Immunodeficiency Virus
HMIS	Health Management Information System
HRG	High Risk Group
HSS	HIV Sentinel Surveillance
IAP	Indian Academy of Paediatrics
IAVI	International AIDS Vaccine Initiative
IBSS	Integrated Biological and Behavioural Surveillance
ICMR	Indian Council of Medical Research
ICTC	Integrated Counseling and Testing Centre
ICRW	International Centre for Research on Women
IDU	Injecting Drug User
IEC	Information, Education and Comm-unication
IHBAS	Institute of Human Behaviour & Allied Sciences
IIPS	International Institute for Population Sciences
IMS	Institute of Management Studies
JAT	Joint Appraisal Team
LAC	Link ART Centre

LWS	Link Worker Scheme
M & E	Monitoring & Evaluation
MoWCD	Ministry of Women & Child Development
MSM	Men who have Sex with Men
NABH	National Accreditation Board for Healthcare Providers
NACO	National AIDS Control Organisation
NACP	National AIDS Control Programme
NARI	National AIDS Research Institute
NBTA	National Blood Transfusion Authority
NCDC	National Cooperative Development Corporation
NEQAS	National External Quality Assessment Scheme
NGO	Non-Government Organisation
NIC	National Informatics Centre
NPO	National Programme Officer
NRHM	National Rural Health Mission
NRL	National Referral Laboratory
NSCB	Netaji Subhash Chandra Bose Medical College
NTSU	National Technical Support Group
NTWG	National Technical Working Group
NYKS	Nehru Yuva Kendra Sangathan
OI	Opportunistic Infection
OST	Opioid Substitution Therapy
ORW	Outreach Worker
PEP	Post Exposure Prophylaxis
PHC	Primary Health Centre
PHMI	Public Health Management Institute
PLHA	People Living with HIV/AIDS
PPP	Preferred Private Provider
PPTCT	Prevention of Parent to Child Transmission
PRI	Panchayati Raj Institution
RBTC	Regional Blood Transfusion Centre
RCH	Reproductive and Child Health
RI	Regional Institute
RNTCP	Revised National Tuberculosis Control Programme
RSBY	Rashtriya Swasthya Bima Yojna
RRC	Red Ribbon Club
RRE	Red Ribbon Express
RTI	Reproductive Tract Infection
SACS	State AIDS Control Society
SBTC	State Blood Transfusion Council
SIMU	Strategic Information Management Unit
SIMS	Strategic Information Management System
STD	Sexually Transmitted Disease
STI	Sexually Transmitted Infection
STRC	State Training & Resource Centre
TAC	Technical Advisory Committee
TB	Tuberculosis
TG	Transgender
TI	Targeted Intervention
TSG	Technical Support Group
TSU	Technical Support Unit
UN	United Nations
UNAIDS	United Nations Programme on HIV/AIDS
UNDP	United Nations Development Programme
UNICEF	United Nations Children's Fund
USACS	Uttarakhand State AIDS Control Society
USAID	United States Agency for International Development
UT	Union Territory
WBT	Whole Blood HIV Test
WHO	World Health Organization

नशीले पदार्थो का सेवन शुरू करने के कारण
नशे का सेवन करने वालों
व्यवहारिक
नशा छुड़वाने में परिवार की भूमिका
नशीले पदार्थ क्या हैं?
नशीले पदार्थ का दुरुपयोग क्या है ?
अधिक मात्रा (ओवरडोज़) प्रबंधन
सांस देना जीवन वरदान
नशीले पदार्थो के प्रकार
नशीले पदार्थो के सेवन के तरीके
नशा छोड़ते समय के लक्षण
बेचैनी
भयंकर दर्द
चिड़चिड़ापन
पतले दस्त
भूख न लगना
नींद न आना
कंपकपी होना
जी मचलाना
अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें

संरक्षक
श्री युगल किशोर पन्त
(आई.ए.एस.)
परियोजना निदेशक

प्रधान संपादक
डा0 विनोद सिंह टोलिया
अपर परियोजना निदेशक

संपादक
श्री अनिल कुमार सती
संयुक्त निदेशक, आई.ई.सी.

संकलन एवं सह संपादन
सौरभ सहगल
सहायक निदेशक,
डाक्यूमेंटेशन एवं पब्लिसिटी

संकलन सहायक
श्री अजय सुन्दरियाल
अनुभाग सहायक

संकलन समन्वयक
रक्त सुरक्षा अनुभाग
वित्त अनुभाग
टी.आई. अनुभाग
आई.सी.टी.सी. अनुभाग
एम. एण्ड ई. अनुभाग
आई.ई.सी. अनुभाग

प्रसारित

USACS NACO

उत्तराखण्ड राज्य एड्स नियंत्रण समिति, देहरादून

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड

दूरभाष : 0135-2608885 Email: uksacs1@gmail.com Website : www.usacs.org.in

उत्तराखण्ड सरकार

अधिक जानकारी के लिए टॉल फ्री नम्बर 1097 पर कॉल करें